शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 242 | गुवाहाटी | सोमवार, 1 अप्रैल, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

त्रिपुरा के लिए पीएम मोदी समेत 40 नेता करेंगे प्रचार पेज 2
आरपीएफ ने नौ लाख का गांजा किया बरामद पेज 3
भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा हो एक्शन होगा, जरूर होगा : नरेंद्र मोदी पेज 5
सबसे खराब रिव्यू... नजमुल हसन शांतो के डीआरएस पर क्रिकेट जगत हैरान पेज 7

बिलासीपाड़ा में आसमान से गिरे एक किलो के ओले

कछार में बिजली गिरने से छह चाय श्रमिक घायल

बिलासीपाड़ा /सिलचर। असम के बिलासीपाड़ा के निवासी उस समय आश्चर्यचकित रह गए, जब भारी बारिश और तूफान के दौरान आसमान से 1 किलोग्राम वजनी भारी ओले गिरे। इस घटना ने स्थानीय लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया, जो इस क्षेत्र में इस तरह की असाधारण घटना का पहला दर्ज उदाहरण है। असम राज्य भारी बारिश और तूफान से घिरा हुआ है, लगभग सभी जिले खराब मौसम की स्थिति से जूझ रहे हैं। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा और कोकराझाड़ विशेष रूप से लंबे समय तक ओलावृष्टि और वर्षा से प्रभावित रहे। फ़लाकाटा क्षेत्र में, प्रत्यक्षदर्शियों ने आकाश से गिरने वाली चट्टानों जैसी ओलावृष्टि का वर्णन किया, जिससे एक मौसम संबंधी उथल-पुथल की याद ताजा हो गई। उधर कछार में स्थित डिगुनसोरा चाय बागान में एक विनाशकारी घटना में, कार्यदिवस के दौरान बिजली गिरने से महिलाओं सहित छह चाय श्रमिक घायल हो गए। अप्रत्याशित बिजली गिरने से मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जिससे उन्हें तत्काल चिकित्सा के लिए सिलचर मेडिकल कॉलेज ले जाने के लिए तेजी से बचाव प्रयास किए गए। घायल मजदूरों -शेष पृष्ठ दो पर

छह पारंपरिक शिल्पों को मिला जीआई टैग

असम की विरासत के लिए बड़ी जीत : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के छह पारंपरिक उत्पादों और शिल्पों को जियोग्राफिकल इंडिकेशन यानि कि जीआई टैग मिल गया है। इन छह पारंपरिक उत्पादों और शिल्पों में शामिल है बिहू ढोल, जापी और सार्थेबाड़ी बेल मेटल शिल्प। इन सभी उत्पादों और शिल्पों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिए गए हैं। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इन छह पारंपरिक उत्पादों और शिल्पों को जीआई टैग मिलने पर कहा कि ये उत्पाद लगभग एक लाख लोगों को सीधे सहायता प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि इसे राज्य की विरासत के लिए एक बड़ी जीत बताया। शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि नाबार्ड, आरओ गुवाहाटी के समर्थन से पारंपरिक शिल्प को छह प्रतिष्ठित जीआई टैग दिए गए हैं और जीआई विशेषज्ञ पद्म श्री डॉ रजनी कांत द्वारा सुविधा प्रदान की गई है। सीएम ने कहा कि इसमें असम बिहू ढोल, जापी, सार्थेबारी मेटल क्राफ्ट और बहुत कुछ जैसे प्रतिष्ठित आइटम शामिल हैं। इतिहास में गहराई से निहित ये उत्पाद लगभग एक लाख लोगों को सीधे समर्थन देते हैं। सीएम ने कहा कि इसमें -शेष पृष्ठ दो पर

मिजोरम में भीषण तूफान और चक्रवात से कई घर गिरे, मवेशियों की मौत

एजल (हि.स.)। भारी तूफान और चक्रवात ने मिजोरम के बड़े इलाके को तबाह कर दिया है। चक्रवात में कई घर ढह गए हैं। पशुधन को काफी नुकसान हुआ है। ईस्टर के तुरंत बाद आज रविवार सुबह नौ से दस बजे के बीच मिजोरम में विनाशकारी तूफान आया। इससे संपत्ति और पशुधन को व्यापक क्षति हुई। त्रिपुरा और असम की सीमा से लगे इलाके सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। संबंधित क्षेत्र के प्रशासन ने नुकसान का आकलन करने के साथ ही राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया है। -शेष पृष्ठ दो पर

गुवाहाटी हवाईअड्डे की छत गिरी, यात्री फंसे

गुवाहाटी। गुवाहाटी के लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आज तूफान के साथ अचानक हुई बारिश ने तबाही मचा दी, जिससे फोरकोर्ट क्षेत्र में छत गिर गई। हवाईअड्डे के अधिकारियों के अनुसार, मौसम की वजह से काफी नुकसान हुआ, खासकर फोरकोर्ट क्षेत्र में, जहां छत का एक पुराना हिस्सा तूफान की तीव्रता के कारण नष्ट हो गया। हवाई अड्डे की छत झुक गई, जिससे बारिश का पानी टर्मिनल में घुसने लगा। किसी चोट की खबर नहीं हुई। छत गिरने और हवाईअड्डे में पानी भरने के दृश्य को कैद करने वाले वीडियो तेजी से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रसारित हो गए। प्राकृतिक आपदा के नतीजों को यात्रियों ने गहराई से महसूस किया, जिनमें से कई ने खुद को अराजकता के बीच फंसा हुआ पाया। टर्मिनल के अंदर बाढ़ ने न केवल यात्रा योजनाओं को बाधित किया, बल्कि नुकसान को कम करने के लिए काम करने वाले हवाई अड्डे के -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

तिवा विरासत को आगे ले जाएंगे : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने तिवा सांस्कृतिक विरासत को आगे ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहरायी है। मुख्यमंत्री ने आज मोरीगांव में तिवा महोत्सव में भाग लेने के दौरान तिवा लोगों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के महत्व की चर्चा की। मुख्यमंत्री ने असम की विविध भाषाई -शेष पृष्ठ दो पर

इंडिया की रैली में मोदी के मैच फिक्सिंग की बात

नई दिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के घटक दलों के प्रमुख नेताओं ने रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पक्ष में आवाज बुलंद की तथा देश में लोकतंत्र एवं संविधान को बचाने तथा लोकसभा चुनाव में निष्पक्षता सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी द्वारा दिए गए *400 पार* के नारे को लेकर भी सवाल खड़े किए और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव में *मैच फिक्सिंग* की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा केजरीवाल और सोरेन के समर्थन और जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के खिलाफ रामलीला मैदान में आयोजित *लोकतंत्र बचाओ महारैली* के मंच पर पहुंचे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी, राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की सुप्रीमो महबूबा मुफ्ती, द्रमुक के तिरुचि शिवा, तृणमूल कांग्रेस के डेरेक ओब्रायन एवं सागरिका घोष तथा कई अन्य दलों के नेता भी इस जनसभा में शामिल हुए। इस मौके पर केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल और सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मंच पर मौजूद थीं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केजरीवाल और सोरेन को अलग-अलग -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस की जितनी संपत्ति उससे दोगुना टैक्स : राहुल

नई दिल्ली। चुनावी साल में कांग्रेस पार्टी की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। दरअसल, माना जा रहा है कि कांग्रेस की जितनी संपत्ति है उससे ज्यादा उसे टैक्स देना पड़ सकता है। कांग्रेस को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की ओर से 1745 करोड़ रुपए का नया नोटिस मिला है। यह पार्टी से 1823 करोड़ से अधिक कर की मांग करने के कुछ दिनों बाद आया है। कुल मिलाकर आयकर कार्यालय ने अब तक कांग्रेस पार्टी से 3,567 करोड़ रुपए का कर मांगा है। समाचार एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ताजा आयकर नोटिस वर्ष 2014-15 (663 करोड़), 2015-16 (लगभग 664 करोड़) और 2016-17 (लगभग 417 करोड़) से जुड़े हैं। यह कांग्रेस के लिए अब तक की सबसे बड़ी चुनौती हो सकती -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

भाजपा लोकसभा चुनाव में 200 सीटें भी नहीं जीत पाएगी : ममता

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव में 400 से अधिक सीट जीतने के लक्ष्य का मखौल उड़ाते हुए उसे 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती दी। ममता ने यह भी कहा कि वह नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को बंगाल में लागू होने नहीं देंगी। तृणमूल सुप्रीमो ने कृष्णानगर इलाके में पार्टी उम्मीदवार महुआ मोइत्रा के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि भाजपा कह रही है 400 पार, मैं उन्हें पहले 200 सीट का आंकड़ा पार करने की चुनौती देती हूं। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 200 से अधिक सीट लाने का आह्वान किया था, लेकिन उसे महज 77 पर रुकना पड़ा। इन 77 सीटों पर जीतने वाले कुछ लोग हमारे साथ आ गए हैं। भाजपा को जुमला पार्टी बताते हुए तृणमूल सुप्रीमो ने उन पर सीएए के संबंध में झूठ फैलाने का आरोप लगाया और -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रपति ने आडवाणी को आवास पर जाकर दिया भारत रत्न

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को उनके आवास पर जाकर भारत रत्न से सम्मानित किया। इस अवसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उपस्थित रहे। राष्ट्रपति कार्यालय से सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी गई। इसके अनुसार राष्ट्रपति ने लालकृष्ण आडवाणी को उनके आवास पर जाकर भारत रत्न प्रदान किया। इस अवसर पर -शेष पृष्ठ दो पर

ऋषि सुनक का अगला आम चुनाव जितना संदिग्ध : सर्वे

लंदन। ब्रिटेन में साल के अंतिम छह महीनों में आम चुनाव हो सकते हैं। इसके संकेत खुद प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने दे दिए हैं। हाल के महीनों में ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक ने मई में चुनाव की संभावना से इनकार कर दिया था और संकेत दिया था कि इस साल के आखिरी में चुनाव कराए जा सकते हैं। इस बीच, एक सर्वे में चौंकाने वाला दावा किया गया है। इसमें कहा गया है कि आगामी आम चुनाव में ब्रिटिश पीएम ऋषि सुनक की सीट भी खतरे में है। एक प्रचार अभियान संगठन बेस्ट फॉर ब्रिटेन ने सर्वे के बाद यह भी कहा है कि पता चला है कि देश में सत्तारूढ़ कंजर्वेटिव पार्टी को इस साल के अंत में होने वाले आम चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

छः कानों में पड़ने से (तीसरे व्यक्ति को पता पड़ने से) मंत्रणा का भेद खुल जाता है।

– **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

समझौते के बावजूद यूएनएलएफ (पी) ने नहीं किया सरेंडर

नई दिल्ली/इंफाल। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूएनएलएफ (पी) चार महीने पहले केंद्र के साथ युद्धविराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के बावजूद हथियार सौंपने या अपने सदस्यों की सूची देने में विफल रहा है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। साथ ही दावा किया गया कि मणिपुर हिंसा में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट का हाथ हो सकता है। राज्य अधिकारियों के साथ तीन दौर की बातचीत के बाद भी यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (जो युद्धविराम पर सहमत होने वाला पहला -शेष पृष्ठ दो पर

आप का अलग लड़ना सबसे बड़ी भूल : भूपेन बोरा

गुवाहाटी। देश के विपक्षी गठबंधन इंडिया में रार जैसे संकेत दिखाई दे रहे हैं। अब असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने की विपक्षी पार्टियों की कोशिश *राष्ट्रीय राजनीति के कारण* नाकाम हो गई। उन्होंने दावा किया कि आम जनता पार्टी (आप) का राज्य में अलग चुनाव लड़ना उसकी सबसे बड़ी भूल होगी। जबकि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को कोई सीट देने से इनकार करने से पूर्वोत्तर राज्य में गठबंधन पर प्रतिकूल असर पड़ा है। बोरा ने कहा कि हमने इंडिया गठबंधन के बनने से आठ महीने पहले संयुक्त विपक्षी मंच असम (यूओएफए) का गठन किया था। हमारा 16 दलों का मंच है। इनमें से तीन सीधे लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन यह राज्य में मेरे नेतृत्व या राजनीति के कारण नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के कारण है। बता दें, राज्य की कुल 14 सीटों में से कांग्रेस 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और एक सीट उसने यूओएफए के सदस्य असम जैत्य परिषद के लिए छोड़ी है। राज्य में यूओएफए के जिन अन्य घटकों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं उनमें आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और माकपा शामिल हैं। बोरा ने कहा कि आप और कांग्रेस के बीच दिल्ली में सीटों का बंटवारा हो रहा है, लेकिन पंजाब -शेष पृष्ठ दो पर

अनुशासित समाज-निर्माण के लिए आश्रमों से बाहर निकलें संतगण : भागवत

अनूपपुर (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि मजबूत भारत के लिए अनुशासित, चरित्रवान, संस्कारित समाज निर्माण की जरूरत है। इसके लिए साधु-संतों को आश्रमों से बाहर निकल कर आगे आना होगा। छत्रपति शिवाजी की तरह सख्त अनुशासन, संस्कारित जीवन और चरित्रबल के बूते विकसित, मजबूत भारत का निर्माण होगा। डॉ. भागवत मां नर्मदा की उद्गम नगरी अमरकंटक में साधु-संतों, समाजसेवियों को संबोधित कर रहे थे। यहां रविवार को मृत्युंजय आश्रम के एकरसानंद आश्रम में संत स्वामी हरिहरानंद सरस्वती के साथ मंचासीन डॉ. भागवत ने सनातन संस्कृति, हिन्दू धर्म, मजबूत भारत के निर्माण, पर्यावरण संरक्षण पर खुल कर अपने विचार रखे। पवित्र नगरी अमरकंटक के साधु-संतों का अभिनंदन करते हुए डॉ. भागवत ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

त्रिपुरा के लिए पीएम मोदी समेत 40 नेता करेंगे प्रचार

नई दिल्ली /अगरतला। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने त्रिपुरा में लोकसभा चुनाव और रामनगर विधानसभा सीटे के लिए उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों का एलान कर दिया है। स्टार प्रचारकों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के नाम शामिल हैं। सूची में सर्वानंद सोनोवाल, अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, किरेन रिजिजू, योगी आदित्यनाथ, हिमंत विश्व शर्मा, माणिक साहा, राजीव भट्टाचार्जी, बिप्लब कुमार देब, महारानी कृति सिंह देबबर्मा, रबींद्र राजू, संबित पात्रा, प्रतिमा भौमिक और जिष्णु देव शामिल हैं। इसके अलावा प्रणजीत सिंघा रॉय, राजू बिस्ता, हेमा मालिनी, अग्निमित्रा पॉल, रेबती त्रिपुरा, मनोज तिवारी, सुवेंदु अधिकारी, मिथुन चक्रवर्ती, रतन लाल नाथ और विकास देबबर्मा को भी सूचीबद्ध किया गया है। सूची में सुधांशु दास, टिंकू रॉय, सैन्टाना चकमा, कल्याणी रॉय, अमित रक्षित, पापिया दत्ता, राम पदा जमातिया, प्रमोद रियांग, भगवान दास, संभु लाल चकमा और एमडी बिलाल भी शामिल हैं। गौरतलब है कि राज्य में आगामी आम चुनाव दो चरणों में होने हैं। पश्चिमी त्रिपुरा सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होगा, जबकि पूर्वी त्रिपुरा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान होगा। वोटों की गिनती 4 जून को होगी। उधर देश में लोकसभा चुनाव से पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह चुनाव प्रचार के लिए पूर्वोत्तर राज्यों का दौरा करने के लिए तैयार हैं। चुनाव की घोषणा के बाद क्षेत्र में अभियान शुरू करने वाले वह पहले शीर्ष भाजपा नेता होंगे। भाजपा सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि गृह मंत्री शाह छह अप्रैल को अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग जिले के आलो में एक चुनावी रैली को संबोधित करेंगे और चुनाव संबंधी मामलों पर चर्चा के लिए राज्य भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे। अरुणाचल प्रदेश का दौरा करने के बाद गृह मंत्री 7 अप्रैल को 2 दिवसीय चुनाव प्रचार के लिए त्रिपुरा पहुंचेंगे। वहां वह अगरतला में रोड शो करेंगे और चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगे। 8 अप्रैल को राज्य छोड़ने से पहले शाह राज्य के पार्टी नेताओं के साथ एक अहम बैठक करेंगे।बता दें कि त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने गुरुवार रात पार्टी नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें उन्होंने राज्य में गृह मंत्री के आगामी दौरे पर चर्चा की। अमित शाह असम समेत अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में भाजपा के प्रचार अभियान में भी शामिल होंगे।

हमहूं आप लोगन के तरह बनारस क भाजपा कार्यकर्ता हईं : नरेंद्र मोदी

वाराणसी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार शाम अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के 660 मतदान केंद्रों पर आयोजित टिफिन बैठक में पांचों विधानसभा के भाजपा कार्यकर्ताओं से लाइव वर्चुअल संवाद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पांचों विधानसभा के चुनिंदा कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों और केंद्र सरकार के योजनाओं से आए लोगों के जीवन में बदलाव की जानकारी लेने के साथ कार्यकर्ताओं का जमकर उत्साहवर्धन किया। प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से कहा कि आप विकसित भारत के रथ का सारथी बनकर कार्य करेंगे। आप जितनी मेहनत करेंगे, मैं उससे ज्यादा मेहनत से कार्य करने का भरोसा दिलाता हूं। प्रधानमंत्री ने महिला कार्यकर्ताओं से कहा कि काशी की महिलाओं के बीच जाएं और उन्हें सरकार के जन कल्याणकारी कार्योम को बताएं। काशी आने वाले पर्यटकों से सम्पर्क करें और उन्हें सरकार के कार्यों की जानकारी दें। पर्यटक जब काशी से गांव और शहर लौटेंगे तो वहां भाजपा के कार्यों को वहां के लोगों को बताएंगे। कार्यकर्ताओं को 400 पार सीटें जीतने का मंत्र देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ग्रास रूट पर पार्टी संगठन बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उन्होंने हर-हर महादेव का उद्घोष कर भोजपुरी भाषा में अपने सम्बोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पहले मैं कहता था कि मां गंगा ने मुझे बुलाया है। अब कहता हूं कि मां गंगा ने मुझे गोद लिया है।

धार की ऐतिहासिक भोजशाला में 10वें दिन आठ घंटे चला एएसआई का सर्वे

धार (हि.स.)। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ के आदेश पर धार की ऐतिहासिक भोजशाला में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग का सर्वे रविवार को 10वें दिन भी जारी रहा। दिल्ली और भोपाल के अधिकारियों की 25 सदस्यीय सर्वे टीम ने यहां करीब आठ घंटे सर्वे का काम किया। टीम सुबह करीब छह बजे मजदूरों के साथ भोजशाला परिसर पहुंची और दोपहर दो बजे कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था के बीच भोजशाला से रवाना हो गई। इस दौरान टीम के साथ हिंदू पक्ष के गोपाल शर्मा, आशीष गोयल और मुस्लिम पक्ष के अब्दुल समद खान मौजूद रहे। हिंदू और मुस्लिम पक्ष की मौजूदगी में रविवार सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक सर्वे जारी रहा। इस दौरान भोजशाला के भीतरी क्षेत्र के फर्श का सर्वे किया गया है। जल्द ही अब भीतर खुदाई शुरू हो सकती है। इसके लिए भोजशाला मुख्य द्वार के सामने वाले फर्श पर निशान लगा दिया गया है। यहां करीब 200 वर्ग फीट में खुदाई होने का अनुमान है। इसमें कई महत्वपूर्ण प्रमाण मिल सकते हैं। पहली बार राजस्व विभाग की टीम को भी बुलाया गया और उसके माध्यम से भी सर्वे में जमीन की स्थिति को पता किया गया है। इसमें रेवेन्यू इंस्पेक्टर से लेकर पटवारी शामिल थे, जिन्होंने मशीन से परिसर की जमीन का लेबल भी जांचा है। वहीं, एएसआई की सर्वे टीम ने कमाल मौलाना दरगाह क्षेत्र का भी सर्वे किया है। भोजशाला में पहले से ही तीन स्थानों पर खुदाई कार्य चल रहा है। यहां पर प्रतिदिन गहराई बढ़ती जा रही है। प्रमाण मिलने के अनुमान के चलते खुदाई का कार्य बढ़ाया जा रहा है। लगभग दो दिनों से इस कार्य में तेजी आ गई। टीम में नए सदस्य व विशेषज्ञ जुड़े हैं। ऐसे में बहुत ही बारीकी से अध्ययन किया जा रहा है। कार्बन डेटिंग के लिए नमूने संकलित किए जा रहे हैं। खुदाई कार्य की मिट्टी से लेकर जो भी अवशेष या सामग्री मिल रही है, उनको भी परीक्षण के लिए लैब में भेजने की तैयारी की गई है।

मणिपुर में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी कड़ी में आज सुरक्षा बलों ने पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में तलाशी अभियान और क्षेत्र प्रभुत्व चलाया। तलाशी अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले के चांगौबुंग गांव से मैगजीन के साथ एक 9 मिमी देशी पिस्तौल, मैगजीन के साथ एक 7.65 मिमी पिस्तौल और पांच जीवित गोला बारूद बरामद किए गए। मणिपुर पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों द्वारा पूरे राज्य भर में छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

मणिपुर पुलिस ने 356 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में भारतीय न्याय संहिता की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 356 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 250 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 270 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है।

पृष्ठ एक का शेष

बिलासीपाड़ा में आसमान ...

की पहचान बिमल तांती, आशु साखा, मेघो तांती, बेनु तांती, सेफाली तांती और टिकलू भौमिक के रूप में की गई है। जबकि सभी छह व्यक्तियों का वर्तमान में मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है, टिकलू भौमिक की हालत गंभीर बनी हुई है, जो घटना की गंभीरता को दर्शाता है। दिन के दौरान अचानक बिजली गिरने से चाय बागान में काम कर रहे श्रमिक सतर्क हो गए। हड़ताल के बल ने उन्हें अक्षम बना दिया, जिससे उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए तत्काल सहायता की आवश्यकता हुई। स्थानीय अधिकारियों और चिकित्सा कर्मियों ने घटनास्थल पर तेजी से प्रतिक्रिया दी, बचाव कार्यों का समन्वय किया और घायल श्रमिकों को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान की। समुदाय इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित लोगों के समर्थन में एकजुट है, बिजली गिरने से प्रभावित सभी व्यक्तियों के शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद कर रहा है।

छह पारंपरिक शिल्पों ...

असम बिहू ढोल, जापी, सार्थेबारी मेटल क्राफ्ट और बहुत कुछ जैसे प्रतिष्ठित आइटम शामिल हैं। यह सभी उत्पाद इतिहास समेटे हुए हैं जो लगभग एक लाख लोगों को सीधे रूप से रोजगार देते हैं। इन उत्पादों के लिए जीआई टैग के लिए आवेदन 2022 के उत्तरार्ध में दायर किए गए थे और प्रमाणन की पुष्टि शनिवार को की गई थी। प्रमाणित उत्पादों में असम जापी (एक पारंपरिक बांस टोपी) और असम बिहू ढोल (बिहू के दौरान बजाया जाने वाला पारंपरिक ड्रम) शामिल हैं। असम अशारिकांदी टेराकोटा क्राफ्ट, असम पानी मटेका क्राफ्ट, सार्थेबारी मेटल क्राफ्ट और असम मिसिंग हैंडलूम उत्पाद अन्य उत्पाद हैं जिन्हें जीआई टैग प्राप्त हुआ है।

मिजोरम में भीषण ...

तूफान प्रभावित इलाकों के अलावा, एजल शहर के कई इलाकों में तूफान के बाद बिजली गुल हो गई है। सेरचिप समेत कई जिलों में कई घर ढह गए हैं। तेज चक्रवात से कई घरों की छतें उड़ गईं। तूफान प्रभावित जिलों में कई बिजली के खंभे उखड़ गए हैं। विशाल पेड़ और बिजली के खंभे सड़कों पर गिर गए जिससे यातायात बाधित हुआ। मिजोरम-त्रिपुरा सीमा पर भांगमुन में करंट लगने से सियामकुंगा की 10 गायों की मौत हो गई।

गुवाहाटी हवाईअड्डे की...

कर्मियों के लिए भी तार्किक चुनौतियां खड़ी कर दीं। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए कनेक्टिविटी की सुविधा प्रदान करने में लोकप्रिय गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह सहित वीवीआईपी का अक्सर आना-जाना होता है, यह हवाई अड्डा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा के रूप में कार्य करता है। आपदा का समय चिंता की एक अतिरिक्त परत जोड़ता है, आगामी आईपीएल मैच गुवाहाटी में होने वाला है।

तिवा विरासत को ...

और सांस्कृतिक विरासत के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस महोत्सव का हिस्सा बनकर वे खुश, उत्साहित और आभारी हैं। यह तिवा की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करता है। असम का प्रतिनिधित्व करने में तिवा जनजाति के सांस्कृतिक महत्व को उन्होंने स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि तिवा भाषा और संस्कृति को संरक्षित करने और बढ़ावा देने की आवश्यकता है। उन्होंने तिवा भाषा को स्कूलों में एक अनिवार्य विषय बनाने की अपनी योजना की इस दौरान घोषणा की, जिससे छात्र तिवा भाषा में परीक्षा दे सकें। मुख्यमंत्री ने मिशन बसुंधरा 2.0 के जरिए तिवा समुदाय के लोगों को भूमि का पट्टा दिये जाने की चर्चा करते हुए मिशन बसुंधरा 3 के तहत शेष बचे लोगों को भूमि का पट्टा देने का वादा किया। मुख्यमंत्री ने छात्रों से तिवा लोगों की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में तिवा भाषा सीखने को कहा। उसका सम्मान करने का आग्रह करते हुए कहा कि तिवा संस्कृति को सशक्त बनाने और संरक्षित करने का प्रयास करते हुए इसे कमजोर करने संबंधी प्रयासों का विरोध करना जरूरी है।

इंडिया की रैली में ...

मामलों में गिरफ्तार किया है। दोनों फिलहाल जेल में हैं। विपक्ष की रैली में राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस लोकसभा चुनाव में *मैच फिक्सिंग* की कोशिश कर रहे हैं, ताकि भारी बहुमत से चुनाव जीतकर संविधान खत्म किया जा सके। गांधी ने लोगों का आह्वान किया कि वे इस मैच फिक्सिंग को रोकने के लिए पूरी ताकत से मतदान करें, क्योंकि यह संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है। चुनाव के बीच में ही सबसे बड़े विपक्षी दल के खाते फ्रीज कर दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मैच फिक्सिंग का एक लक्ष्य है कि संविधान को गरीब जनता से छीना जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी पर *तानाशाही* के विचार में विश्वास करने का आरोप लगाया और दावा किया कि जब तक प्रधानमंत्री मोदी तथा उनकी विचारधारा को सत्ता से नहीं हटाया जाएगा, तब तक देश में सुख और समृद्धि नहीं आ सकती। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान बचाने और लोकसभा चुनाव में जीत के लिए विपक्षी दलों को एकजुट होकर लड़ना है। उन्होंने प्रधानमंत्री और भाजपा के कुछ अन्य नेताओं से एक कार्यक्रम में मुलाकात का उल्लेख करते हुए कहा कि मुझसे जेपी नड्डा जी ने पूछा कि आपका चुनाव प्रचार कबसे शुरू हो रहा है, सूची जारी कब कर रहे हैं। मैंने कहा है कि चुनाव निष्पक्ष नहीं हो रहे, क्योंकि हमारे खाते से पैसे चोरी हो गए हैं। खड़गे ने दावा किया कि कांग्रेस के बैंक खातों को *फ्रीज* किया गया, ताकि वह चुनाव नहीं लड़ सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि संविधान है, तो आरक्षण है। संविधान है, तो मौलिक अधिकार मिलेंगे। संविधान नहीं है, तो कुछ नहीं मिलेगा। सुनीता केजरीवाल ने विपक्षी गठबंधन *इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस* (इंडिया) की रैली में जेल से दिए अपने पति का संदेश पढ़ते हुए कहा कि भारत माता पीड़ा में हैं और यह अत्याचार नहीं चलेगा। कल्पना सोरेन ने भी केंद्र सरकार पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया और कहा कि लोगों को भाजपा को हराने के लिए एकजुट होना चाहिए। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने विपक्ष की *लोकतंत्र बचाओ महारैली* में मंच से *इंडिया* गठबंधन की तरफ से पांच सूत्री मांगें रखीं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग को लोकसभा चुनावों में समान अवसर सुनिश्चित करना चाहिए। चुनाव आयोग को चुनाव में हेराफेरी करने के उद्देश्य से विपक्षी दलों के खिलाफ जांच एजेंसियों द्वारा की जानी वाली कार्रवाई रोकनी चाहिए। हेमंत सोरेन जी और अरविन्द केजरीवाल जी की तुरंत रिहाई की जाए। चुनाव के दौरान विपक्षी राजनीतिक दलों का आर्थिक रूप से गला घोंटने की जबरन कार्रवाई तुरंत बंद होनी चाहिए। इंडिया गठबंधन ने यह भी मांग की कि चुनावी चंदे का उपयोग कर भाजपा द्वारा बदले की भावना, जबरन वसूली और *मनी लॉन्ड्रिंग* (धन शोधन) के आरोपों की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी (विशेष जांच दल) का गठन होना चाहिए। प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सत्ता में बैठे अन्य लोगों को भगवान राम का यह संदेश याद रखना चाहिए कि सत्ता सदा नहीं रहती और अहंकार चूर-चूर हो जाता है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा को *ब्रह्मांड की सबसे झूठी पार्टी* करार देते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद पूरी दुनिया में भाजपा की *थू-थू* हो रही है। उन्होंने *इंडिया* गठबंधन की *लोकतंत्र बचाओ महारैली* में यह सवाल भी किया कि अगर भाजपा को 400 पार में इतना ही भरोसा है, तो वह इतनी घबराहट में क्यों नजर आ रही है? राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एससीपी) के प्रमुख पवार ने कहा कि विपक्ष के नेताओं के खिलाफ जिस तरह से कार्रवाई हो रही है, वो देश के लोकतंत्र और संविधान पर हमला है। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर *अघोषित आपातकाल* लागू करने का आरोप लगाया और दावा किया कि *मोदी की गारंटी चाइनीज माल* वाली गारंटी है, जो सिर्फ चुनाव तक रहेगी। उन्होंने 1990 के दशक की फिल्म *साजन चले ससुराल* के गाने *तुम तो धोखेबाज हो...* का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसा कि तुम तो धोखेबाज हो, वादा करके भूल जाते हो, रोज-रोज मोदी जी ऐसा करोगे, जनता रूठ जाएगी तो हाथ मलोगे...। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने दावा किया कि देश में *कलयुग का अमृतकाल* चल रहा है तथा अब *बुरे लोगों के हाथ से अमृत कलश* को वापस लाना होगा, ताकि इसका इस्तेमाल जनता के हित में हो सके।

भाजपा लोकसभा चुनाव...

कहा कि सीएए पर मोदी की गारंटी शून्य गारंटी है। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में लगी चोट के बाद पहली रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सीएए वैध नागरिकों को विदेशी बनाने का जाल है। केंद्र सरकार के झूठे वादे के जाल में न फंसे। अगर आप आवेदन करेंगे तो आपको पांच साल के लिए विदेशी ठहरा दिया जाएगा। सीएए के लागू होने से मतुआ समुदाय को सबसे अधिक फायदा मिलने की उम्मीद है। ममता ने इस समुदाय से उन पर विश्वास करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह कभी किसी को भी आपकी नागरिकता छीनने नहीं देंगी। उन्होंने कहा कि मतुआ लोग, कृपया मुझ पर भरोसा रखिए। मैं किसी को भी आपकी नागरिकता छीनने नहीं दूंगी। क्या आप यह चाहते हैं या शांतिपूर्वक जीना चाहते हैं? सीएए के जरिए वे आपसे सबकुछ छीन लेंगे और आपको डिटेंशन केंद्र में रखेंगे। भाजपा के खिलाफ लड़ाई में मोइत्रा की तारीफ करते हुए ममता ने कहा कि आप लोगों (मतदाताओं) द्वारा निर्वाचित होने के बावजूद महुआ मोइत्रा को अनौपचारिक ढंग से निष्कासित किया गया। उन्होंने कहा कि हमने उन्हें इस सीट से पुनः नामांकित किया है। महुआ को इसलिए निष्कासित किया गया क्योंकि वह संसद में भाजपा के खिलाफ सबसे मुखर नेता थीं। आप लोगों को रिकॉर्ड मतों के अंतर से उनकी जीत सुनिश्चित करनी होगी। ममता ने पश्चिम बंगाल में भाजपा से हाथ मिलाने का आरोप विपक्षी गठबंधन इंडी गठबंघन के घटक दलों - मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में कोई इंडी गठबंधन नहीं है। माकपा और कांग्रेस बंगाल में भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। मैंने यह गठबंधन बनाया था और इसे यह नाम दिया। चुनाव के बाद हम इस पर विचार करेंगे। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं से राज्य में वाम-कांग्रेस-आईएसएफ (इंडियन सेक्यूलर फ्रंट) गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए वोट न करने का अनुरोध करते हुए कहा कि उनके लिए मतदान करने का मतलब भाजपा के लिए वोट करना है।

राष्ट्रपति ने आडवाणी ...

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृहमंत्री अमित शाह और आडवाणी के परिवार के सदस्य उपस्थित थे। एक दिन पहले यानी शनिवार को राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों चौधरी चरण सिंह एवं पीवी नरसिम्हा राव और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर एवं वैज्ञानिक एमएस स्वामीनाथन को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया। इन विभूतियों के स्वजनों ने राष्ट्रपति से भारत रत्न सम्मान प्राप्त किया। आडवाणी पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और नानाजी देशमुख के बाद ये सम्मान पाने वाले भाजपा एवं संघ परिवार से जुड़े तीसरे व्यक्ति हैं। आडवाणी ने सात दशक से अधिक समय तक अटूट समर्पण और असाधारण कौशल के साथ देश की सेवा की है। वर्ष 1927 में कराची में जन्मे आडवाणी 1947 में विभाजन की पृष्ठभूमि में भारत चले आए। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अपने दृष्टिकोण के साथ उन्होंने पूरे देश में दशकों तक कड़ी मेहनत की और सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य में परिवर्तन किया। एक सांसद के रूप में संवाद पर उनकी आस्था ने संसदीय परंपराओं को समृद्ध किया। गृह मंत्री तथा उप प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने सदैव राष्ट्र हित को सर्वोपरि रखा, जिससे उन्हें दलगत सीमाओं से परे जा कर लोगों ने सम्मान और प्रशंसा प्रदान की। भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान के लिए उनके लंबे और अथक संघर्ष की परिणति 2024 में अयोध्या में श्रीराम मंदिर के पुनर्निर्माण के रूप में हुई। वे स्वतंत्रता के बाद के उन गिने-चुने राजनीतिक नेताओं में हैं जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नया स्वरूप देने और देश को विकास-पथ पर आगे ले जाने में सफल रहे। उनकी उपलब्धियां भारत की सहज प्रतिभा और समावेशी परंपराओं को सर्वोत्तम अभिव्यक्ति प्रदान करती हैं।

ऋषि सुनक का ...

सकता है। इतना ही नहीं ब्रिटिश प्रधान मंत्री ऋषि सुनक अपनी उत्तरी यॉर्कशायर सीट भी शायद ही बचा पाएं। बेस्ट फॉर ब्रिटेन ने इस सर्वे से पहले 15,029 लोगों की राय ली थी। जिसके आधार पर तैयार रिपोर्ट में विपक्षी लेबर पार्टी को 45 प्रतिशत वोट शेयर के साथ कंजर्वेटिव की तुलना में 19 अंकों की बढ़त के साथ शीर्ष पर रखा गया है। इसमें यह भी कहा गया है कि आगामी चुनावों में कंजर्वेटिव पार्टी की संभावनाए अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई हैं। जिसे देखते हुए कहा जा रहा है कि वे इस बार 100 से भी कम सीटें जीत रहे हैं, वहीं, विपक्षी लेबर पार्टी को इसका खासा फायदा मिलेगा। लेबर पार्टी इस बार 468 सीटें जीत सकती है। सर्वे के मुताबिक, इस बार 28 मौजूदा कैबिनेट सदस्य चुनाव लड़ सकते हैं, उनमें से भी केवल 13 ही दोबारा चुने जाएंगे। इस सर्वे को लेकर पूर्व ब्रेक्सिट सचिव और सुनक के बड़े आलोचक लॉर्ड डेविड फ्रॉस्ट ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नवीनतम सर्वेक्षण आंकड़ों से पता चलता है कि कंजर्वेटिव पार्टी हताशा का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि मतदान समय के साथ बदतर होता जा रहा है, बेहतर नहीं। इस बीच, चुनाव से पहले आए अधिकांश सर्वे में कंजर्वेटिवों के मुकाबले लेबर पार्टी को आरामदायक बढ़त मिलती हुई दिखाई दे रही है। मौजूदा समय में पार्टी सियासी उथल-पुथल, रोजमर्रा की वस्तुओं में बढ़ती लागत के संकट और बढ़ते आप्रवासन के बीच सत्ता-विरोधी लहर से जूझ रही है।

कांग्रेस की जितनी...

है, क्योंकि पार्टी की कुल संपत्ति लगभग 1,430 करोड़ रुपए है। सूत्रों ने कहा कि राजनीतिक दलों को कर छूट समाप्त करने के बाद पूरे संग्रह पर कर मांग की गणना की गई थी। विभाग ने कांग्रेस पर तृतीय-पक्ष *प्रविष्टियों* के लिए भी कर लगाया है। ये प्रविष्टियां कथित तौर पर छापे के दौरान इसके कुछ नेताओं से जब्त की गई डायरियों में की गई थीं। शुक्रवार को कांग्रेस को विभाग से नोटिस मिला था, जिसमें टैक्स के रूप में 1823 करोड़ रुपए की भारी रकम मांगी गई थी। इनकम टैक्स अधिकारियों ने पिछले वर्षों से संबंधित कर मांग के लिए पार्टी के खातों से 135 करोड़ पहले ही निकाल लिए हैं। पिछले हफ्ते कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन ने दावा किया था कि भाजपा ने महत्वपूर्ण कर उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि समान मानदंडों का उपयोग करते हुए, भाजपा करों में 4600 करोड़ रुपए का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी थी। माकन ने कहा कि हमने भाजपा के सभी उल्लंघनों का उन्हीं मापदंडों का उपयोग करके विश्लेषण किया है जिनका उपयोग उन्होंने हमारे उल्लंघनों का विश्लेषण करने के लिए किया था। भाजपा पर 4600 करोड़ का जुर्माना है। आयकर विभाग को इस राशि के भुगतान के लिए भाजपा से मांग करनी चाहिए। माकन ने आगे आरोप लगाया कि कांग्रेस और अन्य समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों को आयकर विभाग द्वारा चुनिंदा तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस ने भाजपा पर कर आतंकवाद का आरोप लगाया और कहा कि सरकार लोकसभा चुनाव से पहले पार्टी को कमजोर करना चाहती है। जयराम रमेश ने कहा था कि कांग्रेस को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं, लेकिन हम डरने वाले नहीं हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने चार साल की अवधि के लिए अपने खिलाफ कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही शुरू करने को चुनौती देने वाली कांग्रेस पार्टी की याचिका खारिज कर दी थी।

आप का अलग ...

में वे सभी सीटों पर अलग-अलग लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि असम में आप ने तीन सीटों पर उम्मीदवारों का एलान किया, लेकिन बाद में गुवाहाटी से उन्होंने नाम वापस ले लिया। मैंने आप के प्रदेश अध्यक्ष भाबेश चौधरी से आग्रह किया था कि उन्हें अकेले नहीं लड़ना चाहिए और हम उन्हें एक सीट देने के लिए तैयार थे, लेकिन उन्होंने तीन पर जोर दिया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) प्रमुख ने दावा किया कि मुझे लगता है कि यह आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ी राजनीतिक भूल होगी क्योंकि नतीजों के बाद यह साबित हो जाएगा कि वह राज्य में कुछ नहीं है। असम में तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार उतारने के बारे में बोरा ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल स्थित एक क्षेत्रीय पार्टी है और पड़ोसी राज्य में कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर वे अपने गढ़ में एक भी सीट देने को तैयार नहीं हैं, तो मैं असम के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में यहां तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष के साथ कैसे बैठ सकता हूं और उन्हें कैसे सीट दे सकता हूं? उनके साथ सबसे पहला मामला पश्चिम बंगाल का है, न कि असम। उन्होंने कहा कि जहां तक माकपा का सवाल है, वाम दल केरल में कांग्रेस के खिलाफ लड़ रही है और उसने असम में उम्मीदवार उतारा है। बोरा ने कहा कि हालांकि इन तीनों पार्टियों का राज्य में कोई मत नहीं है लेकिन ये सभी भाजपा के खिलाफ विपक्षी ब्लॉक इंडिया का हिस्सा हैं। मैंने यह भी फैसला किया है कि मैं इन पार्टियों के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोलूंगा। असम में तीन चरणों में 19 व 26 अप्रैल और सात मई को मतदान होगा। निवर्तमान लोकसभा में कांग्रेस के तीन सांसद हैं, जबकि अन्य यूओएफए सदस्यों का राज्य से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। सत्तारूढ़ भाजपा के असम से नौ सांसद हैं जबकि एक-एक सांसद एआईयूडीएफ के पास है और एक निर्दलीय के पास है।

अनुशासित समाज निर्माण...

शिवाजी महाराज से प्रेरणा लेने की जरूरत है। जिनके संस्कार और चरित्र की दुश्मन भी तारीफ करते थे। इनके जैसा चरित्रवान बनने की आवश्यकता है। संतों के प्रवचन से चरित्र एवं संस्कार के माध्यम से समाज सुधार करवाने में बहुत मदद मिलेगी। हिंदू समाज के व्यक्तियों को स्वयं को संस्कारित करने की आवश्यकता है। व्यक्ति स्वयं सुधर जाए तो समाज अपने आप विकसित हो जाएगा। देश में हिंदू जागरण का अच्छा माहौल है, लेकिन युवा पीढ़ी को शिवाजी के चरित्र निर्माण की शिक्षा लेने की जरूरत है। दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने आचरण में सुधार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संतों के माध्यम और उपदेश से हिन्दू संस्कृति चलती है। आश्रमों से निकलकर समाज को विकास के लिए आगे आना पड़ेगा। पर्यावरण को लेकर उन्होंने कहा कि हमें स्वयं भी पौधरोपण करना चाहिए। इससे अमरकंटक को हराभरा रखने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर स्वामी हरिहरानंद ने सरसंघचालक को तीन मांगों का एक पत्र सौंपा, जिसमें पूजा स्थल कानून 1991 खत्म करने, मुस्लिम वक्फ बोर्ड खत्म करने एवं नर्मदा लोक का निर्माण अमरकंटक में कराने की बात कही गई। इसके साथ ही अमरकंटक के संत समाज द्वारा जगदीशानंद महाराज के माध्यम से भी आश्रमों की लीज बढ़ाने के विषय में एक पत्र सौंपा गया। इससे पहले डॉ. भागवत ने भैयाजी जोशी और क्षेत्र एवं प्रांत के वरिष्ठ प्रचारकों के साथ रविवार सुबह मां नर्मदा उद्गम मंदिर में पूजा कर विश्व कल्याण के लिए प्रार्थना की। इस दौरान मंदिर परिसर के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। डॉ. भागवत के अमरकंटक आगमन से पूर्व ही यहां संघ की दृष्टि से विशेष तैयारियां की गई थीं। संघ के क्षेत्र, प्रांत, विभाग, जिले के चुनिंदा पदाधिकारियों को छोड़कर किसी को भी यहां प्रवेश की अनुमति नहीं थी। संघ के सामान्य समर्पित स्वयंसेवकों, भाजपा नेताओं को यहां आने की अनुमति नहीं दी गई थी। रविवार दोपहर में संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों को डॉ. भागवत ने विविध विषयों पर संबोधित किया। कार्यक्रम में पधारे प्रमुख संतों महामंडलेश्वर स्वामी हरिहरानंद सरस्वती महाराज, मृत्युंजय आश्रम, श्रीमहंत स्वामी रामभूषण दास महाराज, शांति कुटी, आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी रामकृष्णानंद महाराज, मार्कंडेय आश्रम स्वामी जगदीशानंद, स्वामी धर्मानंद महाराज, कल्याण सेवा आश्रम, स्वामी लवलीन महाराज, धारकुंडी आश्रम, स्वामी नर्मदानंद महाराज, गीता स्वाध्याय मंदिर, जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामराजेश्वराचार्य, फलाहारी आश्रम, श्रीयंत्र मन्दिर से हरि चैतन्य पुरी, गोपाल आश्रम से हनुमानदास महाराज, अरंडी संगम आश्रम से समाज सेवी त्रिभुवेंद्र कुमार दास, माई की बगिया से स्वामी शुद्धात्मानंद, नर्मदानंद गीता आश्रम, सोमेश्वर गिरी सोनमुडा के साथ अन्य साधु, संतगणों ने अमरकंटक, नर्मदा संरक्षण पर अपने विचार रखते हुए सुझाव दिए।

समझौते के बावजूद...

मैतेई आतंकवादी संगठन है) ने पिछले 29 नवंबर को समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद से सहमत शर्तों का पालन नहीं किया है। संघर्ष विराम के बावजूद यूएनएलएफ (पी) के सदस्यों के कारण मणिपुर में जारी हिंसा पर सुरक्षा एजेंसियों ने चिंता जताई है। अधिकारियों ने कहा कि संघर्ष विराम समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) के सदस्य बेखौफ होकर हिंसक गतिविधियां कर रहे हैं, यहां तक कि सुरक्षा बलों से हथियार भी लूट रहे हैं। यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पी) की कुकी बादी वाले इलाकों के पास शिविर बनाने की मांग का सुरक्षा एजेंसियों ने विरोध किया, क्योंकि उन्हें जातीय संघर्षों में संभावित बढ़ोतरी का डर था, जिसके चलते राज्य में पहले ही 200 से अधिक लोग हताहत हो चुके हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने शिविरों में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी और तलहटी पर शिविर स्थापित करने पर यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट की आपत्ति को खारिज कर दिया। अधिकारियों ने यूएनएलएफ से हथियार सौंपने और स्थानांतरण के लिए सदस्यों की एक सूची प्रदान करने का आग्रह किया है। हाल की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि यूएनएलएफ के सदस्य आदिवासी आबादी को निशाना बनाने के लिए कुकी बस्तियों के पास शिविर स्थापित कर रहे हैं, जिससे तनाव बढ़ रहा है।

कछार में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार में हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने आज बताया कि विश्वसनीय सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने जिले के ढोलाई थाना अंतर्गत मणिपुरी बाजार इस्लामाबाद (बाघा बाजार) में नशीले पदार्थों के परिवहन के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया और दो संदिग्धों को पकड़ा। उनके कब्जे से हेरोइन से भरे 31 साबुनदानी बरामद किए गए। जिनका वजन लगभग 375 ग्राम था। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मोहम्मद मोजिबुर रहमान बरभुइयां (27) और हिरुमोनी लश्कर (27) के रूप में हुई है। नशीले पदार्थों की खेप को अवैध रूप से मिजोरम के आइजोल जिले से लाया गया था। एनडीपीएस एक्ट के तहत के नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया गया और स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में मौके पर उसे सील कर दिया गया। जब्त हेरोइन की काले बाजार में कीमत करीब दो करोड़ रुपए आंकी गई है। मामले की आगे की जांच जारी है।

आरपीएफ ने नौ लाख का गांजा किया बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) की रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे क्षेत्राधिकार में तीन दिन में 91 किग्रा से अधिक गांजा बरामद किया है। जिसकी कीमत लगभग 9.19 लाख रुपए आंकी गई है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने रविवार को बताया है कि 28 मार्च को अगरतला रेलवे स्टेशन पर नियमित जांच के दौरान आईटी सेल लमडिंग के साथ आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। जवानों ने इनके पास से 39 किग्रा गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 3.90 लाख रुपए आंकी गई। उसी दिन एक अन्य घटना में रंगिया की आरपीएफ ने ट्रेन संख्या 12520 डाउन (अगरतला-लोकमान्य तिलक) एक्सप्रेस से 15.5 किग्रा लावारिस गांजा बरामद किया, जिसकी कीमत 1.55 लाख रुपए (लगभग) है। इसी तरह, 27 मार्च को अगरतला और धर्मनगर की आरपीएफ ने अपने संबंधित रेलवे स्टेशनों पर नियमित जांच करते हुए लगभग 37.4 किग्रा गांजा बरामद किया। अगरतला रेलवे स्टेशन पर हुई इस घटना के सिलसिले में पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ा है, जबकि धर्मनगर स्टेशन पर की गई बरामदगी लावारिस थी। बरामद प्रतिबंधित सामान की कीमत लगभग 3.74 लाख रुपए से अधिक थी। बाद में बरामद सामान और पकड़े गए व्यक्ति दोनों को आगे की कार्रवाई के लिए क्रमशः अगरतला और धर्मनगर जीआरपी पोस्ट को सौंप दिया गया। इसके अलावा, अवैध नशीले पदार्थ और सामग्रियों के व्यापार पर अंकुश लगाने के साथ-साथ पूसीरे की रेसुब रेल परिसर के अधीन अन्य आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ विभिन्न अभियान भी चलाता है। 26 मार्च को डिमापुर रेलवे स्टेशन पर एक घटना में, डिमापुर पोस्ट की आरपीएफ टीम ने रेल यात्रियों को बेहोश करने से संबंधित गतिविधियों में शामिल एक व्यक्ति को पकड़ा। टीम ने उसके पास से बिस्कुट के पैकेट, नकदी, कोल्ड ड्रिंक की बोतल और एक फोन के साथ 20 नशीले पदार्थ बरामद किए। बाद में उस व्यक्ति को आगे की कार्रवाई के लिए जीआरपी/डिमापुर को सौंप दिया गया।

रवि कोटा ने संभाला असम के मुख्य सचिव का कार्यभार

गुवाहाटी (हिंस)। आईएएस अधिकारी रवि कोटा ने रविवार को असम सरकार के नए मुख्य सचिव के रूप में कार्यभार संभाल लिया। रवि कोटा 1993 बैच के असम-मेघालय कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। निवर्तमान मुख्य सचिव पवन बरठाकुर ने उन्हें मुख्य सचिव का कार्यभार सौंपा। मुख्य सचिव के रूप में नियुक्ति से पहले आईएएस अधिकारी कोटा राज्य के वित्त, उद्योग और व्यापार विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में कार्य कर चुके हैं। साथ ही सार्वजनिक संस्थान विभाग की देखरेख भी कर चुके हैं। अब वह मुख्य सचिव के पद के साथ-साथ उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव पद की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। इसके अतिरिक्त वह वित्त विभाग का प्रभार संभालेंगे।

बराक के तीनों जिलों में तीन अप्रैल को मुख्यमंत्री का दौरा

हैलाकांदी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा आगामी 3 अप्रैल को बराक घाटी का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री बराक घाटी के दो लोकसभा क्षेत्रों में भाजपा उम्मीदवारों के नामांकन पत्र दाखिल करने के समय मौजूद रहेंगे। इसके बाद वह हैलाकांदी में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे। ये बातें लखीपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक कौशिक रॉय ने हैलाकांदी में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारी बैठक के अंत में कही। उन्होंने कहा कि नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद मुख्यमंत्री तीन अप्रैल की सुबह सिलचर में भाजपा उम्मीदवार परिमल शुक्ल वैद्य के साथ मौजूद रहेंगे। इसके बाद करीमगंज में भाजपा उम्मीदवार कृपानाथ मल्लाह का नामांकन होगा। मुख्यमंत्री दोपहर में करीमगंज से हैलाकांदी पहुंचेंगे और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय का वार्षिक परिणाम एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

रि-भोई (हिंस)। मेघालय के रि-भोई जिले के नियांगबाड़ी में स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में 2023-24 वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। विद्यालय प्रांगण में आयोजित वार्षिक परीक्षा परिणाम पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान कक्षा वार सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले प्रथम तीन विधार्थियो को उनके अभिवावकों सहित क्रमश प्रथम, दितीय एवम तृतीय स्थान का प्रमाण पत्र प्रदान एवं पुरुस्कार वितरण किया गया। इसकी जानकारी जवाहर नवोदय विद्यालय नियांगबाड़ी के प्राचार्य उमेश कुमार ने रविवार को दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता उन्होंने ही की। कार्यक्रम का संचालन पदम बोरा ने किया। इस कार्यक्रम में कक्षा नौंवी और ग्यारहवीं के विधार्थियों के द्वारा सांस्कृतिक गायन और नृत्य कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के अभिभावक भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान जहां प्राचार्य ने विद्यालय से संबंधित कई महत्वपूर्ण बात अभिभावकों के सामने रखी। वहीं अभिभावक भी विद्यालय से संबंधित कई अहम सुझाव दिए। कार्यक्रम का समापन मिस हॉन्ट्रिथंग्ला पीजीटी बायोलॉजी द्वारा किया गया। विद्यालय के सभी शिक्षक कार्यक्रम में उपस्थित थे। अंत में प्राचार्य ने अपना आशीर्वाद संबोधन दिया।

गुवाहाटी के सातगांव से शव बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के सातगांव इलाके में एक युवक का शव बरामद किया गया है। रविवार को सातगांव के मिलिजुली रोड पर यह शव मिला। स्थानीय लोगों को संदेह है कि युवक की किसी ने हत्या कर उसके शव को फेंक दिया होगा। आज स्थानीय लोगों ने युवक का शव देखकर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद सातगांव पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। मृतक की पहचान सुमू अली (22) के रूप में की गई। युवक का घर सातगांव में नोआपाड़ा मस्जिद के पास है। युवक के परिजनों का आरोप है कि इसाद अली नामक युवक ने उसकी हत्या की है। इसाद अली ने शनिवार की रात मृतक सुमू अली को घर से फोन किया था।

11वीं जीएसआईएफ राष्ट्रीय केटलबेल चैंपियनशिप 2024 में असम ने आठ पदक जीते

गुवाहाटी। केटलबेल एंड फिटनेस एसोसिएशन (केएफए) के तत्वावधान में आयोजित 11वीं जीएसआईएफ नेशनल केटलबेल चैंपियनशिप / 6वीं डब्ल्यूकेएसएफ इंडिया इंटरनेशनल ट्रॉफी 2024 में टीम असम ने 6 स्वर्ण सहित कुल आठ पदक जीते। चैंपियनशिप में अक्षत बरुवा ने 2 स्वर्ण, युनय गुप्ता ने 3 स्वर्ण, विश्वजीत बर्मन ने 1 स्वर्ण तथा विश्वजीत बर्मन ने 1 रजत और इंद्राणी तापती ने 1 कांस्य पदक अपने नाम किया। मालूम हो कियह आयोजन 29 से 31 मार्च, 2024 तक गुरुग्राम में आयोजित किया गया था। चैंपियनशिप का आयोजन जीएसआईएफ (गिरेवॉय स्पोर्ट्स इंडिया फेडरेशन) द्वारा किया गया था।

रंगिया में 16 वर्षीय किशोर लापता

रंगिया। रंगिया में सातवीं कक्षा में पढ़ने वाला 16 वर्षीय किशोर लापता हो गया है। बजाली जिले केटंग्ला तालतला का रहने वाला किशोर प्राणजीत बर्मन गत 27 मार्च को घर से निकलने के बाद से लापता है। परिवार ने घटना के संबंध में भवानीपुर पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज करा दी है। परिवार केलोग लापता किशोर को लेकर चिंतित हैं। गौरतलब है कि किशोर घर से निकलकर काम करने केइरादे से रंगिया आया था। रंगिया में एकबुजुर्ग दुकानदार से रात में रुकने के लिए उनकेघर पर शरण भी ली। किशोर ने बुजुर्ग को काम की तलाश करने के लिए भी कहा। किशोर ने वृद्ध दुकानदार अजीतर रहमान का मोबाइल से घर पर फोन भी किया था।

10 वें काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के पर्यवेक्षक नियुक्त

होजाई (निसं)। भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) ने वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एमजे प्रदीप चंदेरो (मोबाइल नंबर 6000671450) को 19 अप्रैल को होने वाले 10वें काजीरंगा लोकसभा क्षेत्र के अवलोकन के लिए आईआर का सामान्य पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। अधिकारी लक्ष्मण सिंह गुर्जर (मोबाइल नंबर 9101121671) को लेखा पर्यवेक्षक और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सी ललथनमवाई (मोबाइल नंबर 9436146931) को पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। गोलाघाट जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी ईएलई/420/2023 ईएलई-जीएलटी नंबर 10 में कहा गया है किकाजीरंगा लोकसभा केंद्र नंबर 10 केआम जनता के साथ मतदाता चुनाव से संबंधित किसी भी मामले पर उपरोक्त पर्यवेक्षकों से संपर्क कर सकते हैं। 62वें बिंदकांडी क्षेत्र, 63वां होजाई निर्वाचन क्षेत्र और 64वां लामडिंग निर्वाचन क्षेत्र होजाई जिले केतीन विधानसभा क्षेत्र हैं, जिन्हें परिसीमन के बाद नगांव लोकसभा क्षेत्र से काट दिया गया था।

रंगिया : अभामामस का शपथ विधि समारोह संपन्न

अध्यक्ष प्राची, सचिव अरुणा और कोषाध्यक्ष सुषमा ने ली पद एवं गोपनीयता की शपथ

रंगिया (विभास)। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन (अभामामस), रंगिया शाखा का शपथ विधि समारोह शनिवार को आयोजित किया गया। जिसमें नए सत्र यानी 2024-26 की नवनिर्वाचित अध्यक्षा प्राची सिकरिया, सचिव अरुणा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुषमा सिकरिया ने पद एवं गोपनीयता की शपथ लेते हुए नए सत्र हेतु अपना कार्यभार संभाला। कार्यक्रम में जेसीआई रंगिया रॉयल्स, मारवाड़ी युवा मंच की रंगिया शाखा, रंगिया अमृत शक्ति शाखा, रंगिया केयर क्लब के पदाधिकारी आमंत्रित अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान कई खेल, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आदि का भी आयोजन किया गया। वहीं पूर्व सत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ सचिव अरुणा अग्रवाल, सर्वश्रेष्ठ कोषाध्यक्ष नीतू भगत, सर्वश्रेष्ठ सहायक सदस्या मोनिका लुण्डिया, सर्वश्रेष्ठ सक्रिय सदस्या सुषमा सिकरिया, हैप्पी हेल्पर गुंजन लुंडिया को प्रशस्ति पत्र के साथ सम्मानित किया गया। इसके अलावा सभी सदस्यों को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत सुषमा सिकरिया और सदस्यों द्वारा अध्यक्ष प्राची सिकरिया, सचिव अरुणा अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष नीतू भगत को पूर्व सत्र में सक्रिय योगदान के लिए मोमेंटो दिया गया। वहीं समिति की ओर से उपस्थित मेहमानों का फूलाम गामोछा से सम्मान किया गया। आयोजित कार्यक्रम में समिति की सदस्या अनुराधा जाजोदिया, अंजलि अग्रवाल, अंकिता लुण्डिया, रेखा शर्मा, सोनम सीकरिया, सुमन तोदी, पायल अग्रवाल, पायल लुण्डिया, शिखा नाथानी, रश्मि नाथानी, गुंजन लुण्डिया, संगीता सिकरिया, मीरा जैन, ममता छित्रका, नीलम अग्रवाल, रीता सिकरिया, गुड्डी सिंघानिया, सुधा जैन, लक्ष्मी जाजोदिया, रिंकू जाजोदिया, खुशबू सिकरिया सहित पूजा शर्मा, गरिमा सिकरिया का प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से सहयोग रहा।

प्रदेश में पुन: पत्रकार पर हमला की घटना

रंगिया (निसं)। असम टॉक्स नामक न्युज चैनल केब्यूरो चीफजर्नलिस्ट अभिजीत दास पर रात में बाइहाटा चाराली में हमला किया गया। घटना रात 10 से 10.30 बजे के बीच की है। अभिजीत दास को रात में लोहे की छड़ से पीटा गया। घटना की जानकारी केअनुसार अभिजीत दास ने लगभग एकसाल पहले बलात्कार की एक खबर प्रसारित की थी। उसी प्रसंग में दो लोगों ने मुख्य रूप से अभिजीत दास को एकरॉड से पीटा, बूरी तरह से जख्मी हालत में जीएमसीएच ले जाया गया। श्री दास पर हमले के बाद विभिन्न दल और संगठनों ने प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसी बीच घटना के बाद दोपहर करीब जीएमसीएच से अभिजीत दास घर आ गए। इसकेबाद पीड़ित पत्रकार ने बाइहाटा चाराली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। वही अभिजीत दास केसाथी पत्रकारों ने घटना की उचित जांच की मांग की है।

तेरापंथी सभा का होली प्रीति सम्मेलन आयोजित

गुवाहाटी। श्री जैन स्वेतांबर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी द्वारा तेरापंथ समाज का होली प्रीति सम्मेलन एवं प्रीतिभोज रविवार को सुबह 11:30 बजे से स्थानीय तेरापंथ धर्मस्थल में अत्यन्त उल्लासपूर्ण वातावरण में सानन्द संपन्न हुआ। सभी भाई-बहनों केचेहरे आनन्द एवं उत्साह से परिपूर्ण थे एवं सभी एक-दूसरे को बड़े प्रेम से होली की बधाई देते हुए नजर आए। श्री जैन स्वेतांबर तेरापंथी सभा के अध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा एवं मंत्री रायचन्द पटावरी एवं उनकी टीम ने सभी बुजुर्गों का अभिवादन करते हुए सभी समाजबंधुओं को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम संयोजकतेजकरण दुगड़ केअलावा तेरापंथी सभा की भोजन व्यवस्था समिति केसंयोजकबिनोद बोरड़ एवं माणकजम्मड़ तथा अन्य सभी सहयोगियों ने सारी व्यवस्थाओं का कुशलतापूर्वकसंचालन किया। आयोजन को सफल बनाने में तेरापंथ युवकपरिषद केअध्यक्ष जयंत सुराणा, तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष अमराव देवी बोथरा, अणुव्रत समिति केअध्यक्ष बजरंग बैद, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम केअध्यक्ष संतोष पुगलिया केनेतृत्व में सभी संघीय संस्थाओं एवं कार्यकर्ताओं का सराहनीय सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में किशोर मंडल, कन्या मंडल एवं ज्ञानशाला केछोटे-छोटे बच्चों ने भी भरपूर सहयोग किया। तेरापंथी सभा केअध्यक्ष बजरंग कुमार सुराणा व मंत्री रायचन्द पटावरी ने होली प्रीति सम्मेलन एवं प्रीतिभोज को सफल बनाने केलिए सभी समाजबंधुओं को धन्यवाद दिया है। इस आशय की जानकारी सभा केवरिष्ठ सहमंत्री राजकुमार बैद ने यहां जारी एकप्रेस विज्ञप्ति में दी है।

कामरूप जिला दिवस सोल्लास संपन्न

रंगिया (विभास)। कामरूप जिले की जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने आज एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय में आयोजित एक समारोह में आगामी लोकसभा चुनाव के लिए कामरूप निर्वाचन क्षेत्र के लिए चुनाव शुभंकर प्रतीक के रूप में पुरुष शुभंकर प्रतीक *लुइत* और महिला महिला शुभंकर प्रतीक *कामरूपा* का उन्मोचन किया। चुनाव में मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने केबारे में जागरूकता पैदा करने के लिए कामरूप जिले में शुरूकिए गए व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी (एसवीईईपी) कार्यक्रम केतहत यह प्रतीकएकदुर्लभ बड़े सिर वाले कछुए की शैली में इसे डिजाइन किया गया है। हाजो में हयग्रीव माधव मंदिर केपरिसर में मिला यह दुर्लभ कछुआ कामरूप जिले के लिए गौरव का प्रतीकहै। दुर्लभ बड़े सिर वाला यह कछुआ, जो जिले की समृद्ध विरासत को संजोए हुए है, को कार्टूनिस्ट प्रदीप नाथ द्वारा डिजाइन किया गया है। शुभंकर की लांचिंग के साथ ही गायककुमार भवेश और अभिनेता, निर्देशकऔर निर्माता राजकुमार ठाकुरिया को जिले का चुनावी ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त किया गया। आज कामरूप जिला दिवस के अवसर पर एकीकृत जिला आयुक्त कार्यालय केपरिसर में आयोजित एकदिवसीय कार्यक्रम में लांच और ब्रांड एंबेसडर की नियुक्ती की गई। उल्लेखनीय है कि31 मार्च को हर साल कामरूप जिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह एकीकृत जिला आयुक्त के कार्यालय से पचरिया में ऐतिहासिक अलाबेई रण स्मारक तक साइकिल रैली आयोजित की गई। साइकिल रैली का आयोजन व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी (एसवीईईपी) कार्यक्रम के तहत मतदाताओं के बीच चुनावी प्रक्रिया में भागीदारी की आवश्यकता को बढ़ावा देने के लिए भी किया गया था। जिला आयुक्त कार्यालय परिसर में कामरूप जिला दिवस के अवसर पर एक खुली बैठक को संबोधित करते हुए जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली ने कहा किजिले केगौरवशाली इतिहास, संस्कृति और विरासत के महत्व को दर्शाते हुए हर साल कामरूप जिला दिवस मनाया जाता है। जैसे-जैसे आगामी लोकसभा चुनाव नजदीकआ रहे हैं, मतदाताओं के बीच मतदान प्रक्रिया में भाग लेने के लिए जागरूकता बढ़ाना और सभी को अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का जिम्मेदारी से प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, जिला प्रशासन ने जिला दिवस कार्यक्रम के संयोजन में कई स्वीप कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाताओं को अपने संवैधानिकअधिकारों का जिम्मेदारी से उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने की पहल की है। जिला आयुक्त ने सभी से आगामी 7 मई में कामरूप निर्वाचन क्षेत्र के लिए होने वाले लोकसभा चुनाव में अपना कीमती वोट डालने और अपने लोकतांत्रिकअधिकारों का आनंद लेने का भी आग्रह किया। जिला आयुक्त ने मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए नयनमणि दास द्वारा रचित *गणतंत्रोत राइजेई रजा* शीर्षक एक चुनावी गीत भी लांच किया। कार्यक्रम में सड़कसुरक्षा पर जागरूकता पैदा करने के लिए नुक्कड़ नाटकऔर इसके अलावा रक्तदान और स्वास्थ्य जांच शिविर और सांस्कृतिककार्यक्रम भी शामिल थे। उद्घाटन समारोह में आईआईटी गुवाहाटी के प्रोफेसर अरुपज्योति शैकिया ने भाग लिया। जिन्होंने कामरूप जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर भाषण दिया। इस कार्यक्रम में कामरूप जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरपा बगलारी, जिला विकास आयुक्त सुशांत कुमार दत्ता, अतिरिक्त जिला आयुक्त कमल बरुवा, नित्य बिनोद वारी, चंदना बरुवा, अभिजीत गोगोई, पंकज कुमार नागबंशी, चुनाव अधिकारी मानस ज्योति बोरा और जिला प्रशासन केअधिकारी और कर्मचारिरी उपस्थित थे।

संपादकीय

सीजेआईं की ट्रोलिग

सीजेआईं की ट्रोलिग प्राधान न्यायाधीश डीवाईं चंद्रचूड़ ने उनके साथ हाल ही में हुईं उस घटना को याद किया जब एक सुनवाईं के दौरान कमर दर्द के कारण उन्हें अपनी वुसा ठीक करने की वजह से विवाद खड़ा किया गया और उन्हें ट्रोल किया गया और सोशल मीडिया पर शातिर दुर्व्यंवहार का सामना करना पड़ा। बेंगलूरू में आयोजित एक कार्यंव्राम में उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के लिए तनाव प्राबंधन और जीवन शैली व काम के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर जोर डाला। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश के पास काफी काम होता है और परिवार तथा अपनी देखभाल के लिए समय नहीं निकाल पाने के कारण उन्हें उपयुक्त रूप से काम करने की मशक्कत करनी पड़ सकती है। प्राधान न्यायाधीश ने कहा, तनाव का प्राबंधन करना और कामकाज एवं जीवन के बीच संतुलन बनाने की क्षमता पूरी तरह से न्याय प्रादान करने से जुड़ी हुईं है। दूसरों के घाव भरने से पहले आपको अपने घाव भरना सीखना चाहिए। यह बात न्यायाधीशों पर भी लागू होती है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के 21वें द्विवार्षिक राज्य स्तर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने एक हालिया व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि एक अहम सुनवाईं की लाइव स्ट्रीमिग के आधार पर हाल में उनकी आलोचना की गईं। उन्होंने कहा, महज चार-पांच दिन पहले जब मैं एक मामले की सुनवाईं कर रहा था, मेरी पीठ में थोड़ा दर्द हो रहा था, इसलिए मैंने बस इतना किया थाकि अपनी कोहनियां अदालत में अपनी वुसा पर रख दीं और मैंने वुर्सा पर अपनी मुद्रा बदल ली। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कईं टिप्पणियां की गईं, जिनमें आरोप लगाया गया कि प्राधान न्यायाधीश इतने अहंकारी हैं कि वह अदालत में एक महत्वपूर्ण बहस के बीच उठ गए। प्राधान न्यायाधीश ने उल्लेख किया उन्होंने आपको यह नहीं बताया कि मैंने जो वुछ किया वह केवल वुसा पर मुद्रा बदलने के लिए किया था। 24 वर्षो से न्यायिक कार्यं करना थोड़ा श्रमसाध्य हो सकता है जो मैंने किया है। उन्होंने कहा मैं अदालत से बाहर नहीं गया। मैंने केवल अपनी मुद्रा बदली, लेकिन मुझे काफी दुर्व्यंवहार ट्रोलिग का शिकार होना पड़ा.. लेकिन मेरा मानना है कि हमारे वंधे काफी चौड़े हैं और हमारे काम को लेकर आम लोगों का हम पर पूरा विश्वास है। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायधीशों के समान ही तालुक अदालतों में (न्यायधीशों को) सुरक्षा नहीं मिलने के संदर्भ में उन्होंने एक घटना को याद किया जिसमें एक युवा दीवानी न्यायाधीश को बार के एक सदस्य ने धमकी दी थी कि अगर उन्होंने उसके साथ ठीक व्यवहार नहीं किया तो वह उनका तबादला करवा देगा। कामकाज और जीवन के बीच संतुलन तथा तनाव प्राबंधन इस दो दिवसीय सम्मेलन के विषयों में से एक था। इस बारे में प्राधान न्यायाधीश ने कहा कि तनाव प्राबंधन की क्षमता एक न्यायाधीश के जीवन में महत्वपूर्ण है। खासकर जिला न्यायाधीशों के लिए। उन्होंने कहा कि अदालतों में आने वाले कईं लोग अपने साथ हुए अन्याय को लेकर तनाव में रहते हैं। उन्होंने कहा प्राधान न्यायाधीश के रूप में मैंने बहुत से वकीलों और वादियों को देखा है, जब वे अदालत में अपनी सीमा पार कर जाते हैं इसका उत्तर यह नहीं कि उन्हें अवमानना का नोटिस दें बल्कि यह समझना जरूरी होता है कि उन्होंने यह सीमा क्यों पार की।

न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश के पास काफी काम होता है और परिवार तथा अपनी देखभाल के लिए समय नहीं निकाल पाने के कारण उन्हें उपयुक्त रूप से काम करने की मशक्कत करनी पड़ सकती है। प्राधान न्यायाधीश ने कहा, तनाव का प्राबंधन करना और कामकाज एवं जीवन के बीच संतुलन बनाने की क्षमता पूरी तरह से न्याय प्रादान करने से जुड़ी हुईं है। दूसरों के घाव भरने से पहले आपको अपने घाव भरना सीखना चाहिए। यह बात न्यायाधीशों पर भी लागू होती है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के 21वें द्विवार्षिक राज्य स्तर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने एक हालिया व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि एक अहम सुनवाईं की लाइव स्ट्रीमिग के आधार पर हाल में उनकी आलोचना की गईं। उन्होंने कहा, महज चार-पांच दिन पहले जब मैं एक मामले की सुनवाईं कर रहा था, मेरी पीठ में थोड़ा दर्द हो रहा था, इसलिए मैंने बस इतना किया थाकि अपनी कोहनियां अदालत में अपनी वुसा पर रख दीं और मैंने वुर्सा पर अपनी मुद्रा बदल ली। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कईं टिप्पणियां की गईं, जिनमें आरोप लगाया गया कि प्राधान न्यायाधीश इतने अहंकारी हैं कि वह अदालत में एक महत्वपूर्ण बहस के बीच उठ गए। प्राधान न्यायाधीश ने उल्लेख किया उन्होंने आपको यह नहीं बताया कि मैंने जो वुछ किया वह केवल वुसा पर मुद्रा बदलने के लिए किया था। 24 वर्षो से न्यायिक कार्यं करना थोड़ा श्रमसाध्य हो सकता है जो मैंने किया है।

नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है

चुनाव में भाषा का संयम एवं वचनों की मर्यादा जरूरी

ललित गर्ग

चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है।

लोकसभा चुनावों जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी ज़िंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ़ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है। नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला-शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई

करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी। हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल-बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल-बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई। आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है। मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार-तार करने वाले इन नेताओं को आत्म-चिंतन की सख्त जरूरत है। मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है।

दृष्टि कोण

टीकाकरण की गति बढ़ानी होगी

भारत का कोरोना टीकाकरण अभियान विश्व में सबसे बड़ा है। सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क और निजी अस्पतालों में 250 रुपए में टीकाकरण हो रहा है। जिसमें अस्पताल का 100 रुपए शुल्क भी शामिल है। देश में जैसे ही कोरोना के खात्मे के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हुआ वैसे ही कोरोना की दूसरी लहर से जुड़ी खबरें प्रकाश में आने लगीं। बीते एक माह में ऐसा लगने लगा कि घूम-फिरकर हालात पिछले साल जैसे ही बनने की दिशा में अग्रसर हैं। देश में कोरोना संव्रामितों का आंकड़ा प्रातिदिन पचास हजार को पार कर रहा है। अनेक शहरों में रात्रिकालीन कफ्र्यू लागू करने के बाद साप्ताहिक लॉकडाउन करना पड़ा और जब उससे भी बात नहीं बनी तब लंबे लॉकडाउन का निर्णय लिया गया। ये स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। वास्तव में घोर संकट की काली छाया से निकलकर धीरे-धीरे ही सही अर्थव्यवस्था के साथ ही जनजीवन भी सामान्य होने लगा था लेकिन बीत वुछ सप्ताहों ने मानों हम दोबारा वहीं खड़े दिख रहे हैं, जहां से हमने कोरोना के विरुद्ध लड़ाईं शुरू की थी। प्रश्न ये है कि कोरोना पर विजय हासिल करने के करीब पहुचंने के बाद आखिरकार ये हालात क्यों और वैसे बन गए? इसके यूं तो अनेक जवाब हो सकते हैं किन्तु सीधा और सपाट उत्तर है लोगों की लापरवाही। अमेरिका के बाद भारत दुनिया का दूसरा देश है जहां कोरोना वायरस संव्रामण के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। भारत में कोविड-19 का पहला मामला पिछले साल 30 जनवरी को सामने आया था। उस वक्त चीन के वुहान से केरल की एक मेडिकल छात्रा वापस अपने घर लौटकर आईं थी और उसमें कोविड-19 की पुष्टि हुईं थी। इससे पहले 2019 के आखिर में चीन ने अपने शहर वुहान में कोरोना वायरस के पैलने की जानकारी दी थी। कोरोना काल की काली छाया में देशवासियों ने अदम्स साहस और धैर्य को परिचय दिया। देश के महान वैज्ञानिकों ने कोरोना वैक्सीन का निर्माण किया। 16 जनवरी को भारत ने बड़े पैमाने पर कोविड-19 टीकाकरण शुरू किया गया था। नईं दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

(एम्स) में सबसे पहले सफाईंकमा मनीष वुमार को कोविड-19 वैक्सीन दी गईं थी। प्राथम पंक्ति में रहकर कोरोना के विरुद्ध लड़ रहे वर्ग को सबसे पहले टीका लगाने के अभियान के बाद सरकार का लक्ष्य जुलाईं तक 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन देने का है। एक मार्च से वरिष्ठ नागरिकों का टीकाकरण प्रारंभ किया गया। आगामी एक अप्रौल से 45 वर्ष से ऊपर की आयु वालों के भी टीकाकरण की शुरुआत होने जा रही है। भारत का कोरोना टीकाकरण अभियान विश्व में सबसे बड़ा है। सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क और निजी अस्पतालों में 250 रुपए में टीकाकरण हो रहा है। जिसमें अस्पताल का 100 रुपए शुल्क भी शामिल है। वैसे वुछ निजी चिकित्सालय टीके की मूल कीमत 150 रुपए ही ले रहे हैं। इस प्राकार लाखों लोगों को प्रातिदिन टीका लगाया जा रहा है। अभी तक वुछ अपवाद छोड़कर टीकाकरण को लेकर सकारात्मक खबरें ही आ रही हैं जिससे लोगों के मन में व्याप्त शंकाएं भी दूर होने लगी हैं। आवर वर्ल्ड इन डेटा की वेबसाइट के अनुसार, टीकाकरण अभियान के दो महीने पूरे होने तक, यानि 16 मार्च तक भारत में कोरोना वैक्सीन के करीब 3.51 डोज लगाए जा चुके थे। जिन 10 देशों में कोरोना संव्रामण के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं उनमें देखा जाए तो भारत केवल अमेरिका से पीछे है जहां अब तक कोरोना के टीके के करीब 11.1 करोड़ डोज लगाए जा चुके हैं। अमेरिका में कोरोना टीकाकरण अभियान की शुरुआत भारत से करीब एक महीने पहले हुईं थी। कोरोना टीकाकरण के आंकड़ों को देखने पर लगता है कि इस मामले में भारत दूसरों के मुकाबले बेहतर कर रहा है, लेकिन अगर प्राति सौ व्यक्ति के आधार पर आंकड़ों को देखा जाए तो प्रात्येक सौ लोगों में केवल 2.54 लोगों को ही कोरोना का टीका लगाया गया है, जो इन दस देशों की तुलना में सबसे कम है। लेकिन अब भारत में कोरोना टीकाकरण की रफ्तार तेज हो रही है। बीते 16 मार्च को खत्म होने वाले सप्ताह के आंकड़ों के अनुसार देश में हर दिन करीब 15 लाख लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा रहा है। जनसंख्या के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है और पूरी आबादी को कोरोना का टीका लगाना यहां की सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। अगर हम ये मानें कि फिलहाल जिस रफ्तार से कोरोना की वैक्सीन लगाईं जा रही है (प्राति दिन 15 लाख डोज) उस रफ्तार को आगे भी कायम रखा जाएगा और हर व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन की दो डोज दी जाएगी, तो भी भारत को अपनी आधी आबादी तक टीका पहुंचाने में कम से कम ढाईं साल का वक्त लगेगा। लेकिन जिस तरह से सरकार कोरोना टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाती जा रही है, उसके देखते हुए उम्मीद की जा सकती है कि देश की सबसे जोखिम वाली आबादी के एक बड़े हिस्से को अनुमान से पहले वैक्सीन जरूर मिल सकेगी।

कुछ अलग

पानी के बिना जीवन की कल्पना असंभव

जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' में की गई थी। यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। दरअसल जल धरती पर मानव जीवन की बुनियादी जरूरतों में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है और वर्तमान में पृथ्वी पर पेयजल की उपलब्धता से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालने से स्पष्ट हो जाता है कि पानी की एक-एक बूंद बचाना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। पानी की समस्या भारत में भी लगातार गंभीर होती जा रही है, जिसका अंदाजा हाल के बेंगलुरु जल संकट से आसानी से लगाया जा सकता है। ऐसे में विश्व जल दिवस की महत्ता हमारे लिए भी कई गुना बढ़ जाती है। देश में हर साल जाने-अनजाने करोड़ों लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन' की शुरुआत की थी और उस अभियान के तहत देश के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के लिए नारा दिया गया था 'जहां भी गिरे, जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें।' एक ओर जहां करोड़ों लोग विशेषकर गर्मी के मौसम में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते रहते हैं, वहीं बारिश के मौसम में वर्षा जल का संरक्षण-संचयन नहीं होने के अभाव में प्रतिवर्ष लाखों गैलन पानी व्यर्थ बह जाता है। यदि इस पानी का संरक्षण कर लिया जाए तो देश की बड़ी आबादी की प्यास इसी पानी से बुझाई जा सकती है लेकिन चिंता की बात है कि देश में अभी तक वर्षा जल संरक्षण को लेकर कहीं जागरुकता नहीं दिखती। पर्यावरण संरक्षण पर हिन्दी अकादमी के सहयोग से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार भारत में जल संकट बढ़ने का एक बड़ा कारण यही है कि हम वर्षा जल का बहुत ही कम मात्रा में संरक्षण कर पाते हैं। देश में प्रतिवर्ष करीब तीन हजार अरब घन मीटर पानी की जरूरत होती है जबकि भारत में होने वाली वर्षा की मात्रा करीब चार हजार अरब घन मीटर होती है लेकिन वर्षा जल संग्रहण के पर्याप्त प्रबंध नहीं होने के कारण मामूली से वर्षा जल का ही संग्रहण संभव हो पाता है। एक ओर जहां इजराइल जैसे देश में औसतन दस सेंटीमीटर वर्षा होने के बावजूद भी वह इतने अन्न का उत्पादन कर लेता है कि उसका निर्यात करने में भी सक्षम हो जाता है, वहीं दूसरी ओर भारत में औसतन पचास सेंटीमीटर से भी ज्यादा वर्षा होने के बावजूद अन्न की कमी बनी रहती है। दरअसल नदियों-तालाबों जैसे पवित्र माने जाते रहे जलस्रोतों को सहेजने में लापरवाही और भूमिगत जल में प्रदूषण की बढ़ती मात्रा तथा वर्षा जल संचयन का उचित प्रबंध न होना भारत में जल संकट गहराते जाने की मुख्य वजह बन रहे हैं। देश में आज के आधुनिक युग में भी बहुत से इलाकों में लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है या लंबी-लंबी कतारों में लगकर कामचलाऊ पानी मिल जाता है। चौंकाने वाला यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि कुछ इलाकों में महिलाओं को पीने का पानी लाने के लिए प्रतिदिन औसतन छह किलोमीटर से भी ज्यादा का सफर पैदल तय करना पड़ता है। हालांकि सरकार द्वारा जलशक्ति अभियान के तहत हर घर को पानी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश में 2030 तक पानी की जरूरत दोगुनी हो जाएगी और 2050 तक यह चार गुना बढ़ जाएगी तथा जल संकट का देश के सकल घरेलू उत्पाद पर छह फीसदी तक असर पड़ सकता है।

देश दुनीया से

अब महिला वोट करते हैं बड़ी चोट

चुनावा आयोग ने सात चरणों में मतदान कार्यक्रम जारी कर दिया है। चार जून को मतगणना की तारीख तय की गई है। सीधी सी बात है कि दोपहर बाद तक 18 वीं लोकसभा की तस्वीर साफ हो जाएगी। खैर यह सब अलग बात है पर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत दो चुनाव में देश की महिला वोटर्स ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजे की बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के करीब एक दर्जन राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं।

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में 18 वीं लोकसभा के चुनाव का बिगुल बज गया है। चुनावा आयोग ने सात चरणों में मतदान कार्यक्रम जारी कर दिया है। चार जून को मतगणना की तारीख तय की गई है। सीधी सी बात है कि दोपहर बाद तक 18 वीं लोकसभा की तस्वीर साफ हो जाएगी। खैर यह सब अलग बात है पर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत दो चुनाव में देश की महिला वोटर्स ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजे की बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के करीब एक दर्जन राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनाव में सक्रियता से हिस्सा लेने और उम्मीदवार को जिताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आम चुनाव में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थीं वहीं गत 2019 के आम चुनाव में 78 महिला सांसद चुन कर आईं। हालांकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए-नए

सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते हैं। खैर सबसे अच्छी बात यह है कि गांव हों या शहर, महिलाएं अब घर की चारदीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही हैं। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी हैं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। इस साल देश में 96 करोड़ 88 लाख मतदाता हैं तो इनमें से महिला मतदाताओं की संख्या 47 करोड़ 15 लाख के करीब है। एक मोटे अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में करीब दो करोड़ महिला मतदाता कम हैं। यही स्थिति 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान थी। इस सबके बावजूद पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का आंकड़ा अधिक है। 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 67.02 प्रतिशत रहा तो महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 67.18 प्रतिशत रहा। पूर्वोत्तर, हिमाचल प्रदेश, गोवा, बिहार सहित बहुत से प्रदेशों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। यह तो रही मतदान की बात तो दूसरी और नई सरकार बनाने में भी महिला मतदाताओं की अधिक भूमिका रही है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया उसी की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि 2014 में मोदी सरकार बनने और 2019 में रिपीट होने का प्रमुख कारण भी महिलाओं को भाजपा और खासतौर से नरेन्द्र मोदी पर अधिक भरोसा जताने को जाता है। 2004 के चुनाव में 22 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा और 26 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को वोट दिया था वहीं 2019 के चुनाव आते आते इसमें जबरदस्त बदलाव देखने को मिला। 2019 के चुनाव में महिलाओं द्वारा मोदी में विश्वास व्यक्त करने का आंकड़ा 36 प्रतिशत पहुंच गया। यानी कि 2019 के चुनाव में 36 फीसदी महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। महिलाओं के अधिक मतदान का ही परिणाम रहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को जबरदस्त बहुमत प्राप्त हुआ। विगत दो लोकसभा चुनाव परिणामों से सबक लेते हुए अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुट गए हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं की जा रही हैं। केंद्र की उज्ज्वला योजना, मध्य प्रदेश की लाडली योजना, लखपति लाड़ली योजना, महिला मुखिया को नकद राशि और मुफ्त बस यात्रा का करिश्मा देखा जा चुका है। आम आदमी पार्टी महिला सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को लुभाने का प्रयास कर रही है। लगभग सभी राजनीतिक दल इस दिशा में आगे आ रहे हैं। बहरहाल लोकतंत्र के इस महापर्व में देश की महिलाएं अग्रणी भूमिका निभाने जा रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। चुनाव के दौरान आने वाले दिनों में महिलाओं की और सभी राजनीतिक दलों की नजर रहेगी। इसे देश और लोकतंत्र दोनों के लिए ही सकारात्मक कहा जा सकता है। दुनिया के देशों के लिए भी भारत की महिलाएं एक मिसाल बन कर सामने आएंगी।

आप का नजरीया

परमबीर के आरोप गंभीर हैं

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि इस बात में कोईं संदेह नहीं है कि मुंबईं के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिह द्वारा अपनी याचिका में महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ उठाए गए मुद्दे अत्यंत गंभीर हैं। गृहमंत्री अनिल देशमुख के घर के बाहर लगे सीसीटीवी पुटेज को जब्त कर उसकी जांच करवाने की मांग परमबीर ने अपनी याचिका में की। परमबीर ने कहा कि अगर उनके आरोपों की जल्द जांच नहीं की गईं तो हो सकता है कि अनिल देशमुख सभी सुबूतों को मिटा दें और सीसीटीवी पुटेज को डिलीट कर दें। अनिल देशमुख ने फरवरी में अपने आवास पर कईं मीटिंग की। मुंबईं व्राइम इंटेलिजेंस यूनिट (एमसीआईंयू) के इंस्पेक्टर सचिन वाजे भी इसमें शामिल हुए थे। उस दौरान गृहमंत्री अनिल देशमुख ने वाजे को होटल, बार और रेस्टोरेंट से हर महीने 100 करोड़ रुपए की उगाही करने को कहा था। 24-25 अगस्त 2020 को राज्य खुफिया विभाग की इंटेलिजेंस कमिश्नर रश्मि शुक्ला ने डीजीपी को अनिल देशमुख की ओर से ट्रांसफर पोस्टिंग में किए जा रहे भ्रष्टाचार की जानकारी दी थी। डीजीपी ने यह जानकारी गृह मंत्रालय में एडिशनल चीफ सैव्रोटरी को दी थी। यह जानकारी टेलीफोन पर हुईं बातचीत को रिकॉर्ड कर जुटाईं गईं थी। न्यायमूर्ति संजय कौल और न्यायमूर्ति आरएस रेड्डी की पीठ ने परमबीर सिह को अपनी शिकायत लेकर बंबईं उच्च न्यायालय जाने की छूट प्रादान कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें कोईं संदेह नहीं है कि यह मामला अत्यंत गंभीर है लेकिन याचिकाकर्ता को बंबईं उच्च न्यायालय जाना चाहिए। सिह का पक्ष रखने के लिए अदालत में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुवुल रोहतगी ने कहा कि वह आज ही बंबईं हाईं कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। पीठ ने रोहतगी से कहा कि दो प्राथमिक सवाल हैं—पहला यह कि अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत में याचिका क्यों दायर की गईं है और याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय से सम्पर्व क्यों नहीं किया? दूसरा सवाल यह है कि सिह ने अपनी याचिका में राज्य के गृहमंत्री को पक्ष क्यों नहीं बनाया है? रोहतगी ने कहा कि वह देशमुख को मामले में पक्ष बनाएंगे और इस संबंध में आवेदन तैयार है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है जिसने राज्य के प्राशासन को प्राभावित किया है। पीठ ने कहा कि अदालत का मत है कि याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय से सम्पर्व करना चाहिए और यदि वह मामले में किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच करवाना चाहते हैं तो उच्च न्यायालय इस मुद्दे को भी देख सकता है। रोहतगी ने कहा कि वह आज ही उच्च न्यायालय से सम्पर्व करेंगे और शीर्ष अदालत उच्च न्यायालय से मामले को कल देखने के लिए कह सकती है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी पुटेज के रूप में सुबूत हैं जो एटीएस के कब्जे में हैं जिसने इन्हें राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईंए) को नहीं सौंपा है। एनआईंए उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबईं स्थित घर के बाहर 25 फरवरी को मिली एसयूवी से संबंधित मामले की जांच कर रही है जिसमें विस्फोटक सामग्री रखी गईं थी। 1988 बैच के अधिकारी परमबीर सिह ने अदालत से मुंबईं पुलिस आयुक्त पद से हटाने को भी रद्द करने का भी अनुरोध किया था। उनका आरोप है कि यह आदेश मनमाना और गैर-कानूनी है।

भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा हो एक्शन होगा, जरूर होगा : नरेंद्र मोदी

लखनऊ (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार की शुरुआत मेरठ से की। प्रधानमंत्री ने जनसभा को संबोधित करते हुए चुनाव का एजेंडा तो सेट किया ही, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। पांच साल पहले इसी शहर से प्रधानमंत्री मोदी ने 2019 के चुनाव का शंखनाद किया था। मेरठ की क्रांतिधरा से अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने किसानों, गरीबों, महिलाओं, सैनिकों, युवाओं सबका जिक्र किया। वहीं अपनी सरकार की दस साल की उपलब्धियों का लेखा-जोखा भी रखा। प्रधानमंत्री ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण, तीन तलाक पर कानून, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, नारी शक्ति वंदन अधिनियम और सैनिकों को वन रैंक वन पेंशन योजना का विशेष तौर पर उल्लेख किया।

यानी मोदी ने चुनाव का एजेंडा सेट कर दिया। उन्होंने विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार पर जोरदार हमला मेरठ की जमीन से बोलकर यह साफ कर दिया है, चुनाव में भ्रष्टाचार बड़ा मुद्दा रहेगा और वह इस मुद्दे पर विपक्ष को घेरते रहेंगे। प्रधानमंत्री ने विपक्ष के भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार करते हुए कहा, मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई कर रहा हूं तो इससे कुछ लोग बौखला गए हैं। वे अपना आपा खो बैठे हैं। मेरे प्यारे देशवासियों मैं कहता हूं कि मोदी की गारंटी कहती है कि मोदी का मंत्र है भ्रष्टाचार हटाओ, वे कहते हैं भ्रष्टाचारी बचाओ। ये चुनाव दो खेमों की लड़ाई है। इस चुनाव में दो खेमा मैदान में है। एक वे जो भ्रष्टाचारी को बचाना चाहते हैं और एक एनडीए जो भ्रष्टाचार को खत्म करना चाहता है। ये खत्म होना चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा, इंडी गठबंधन बना लिया है, इनको लगता है मोदी इनसे डर जाएगा, लेकिन मेरा भारत मेरा परिवार है। बड़े भ्रष्टाचारी सालाखों के पीछे हैं। सुप्रीम कोर्ट तक जमानत नहीं मिल रही है और इसीलिए कई बड़े भ्रष्टारियों को कोर्ट के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बिस्तर, दीवारों और वाशिंग मशीन से नोटों के ढेर निकल रहे हैं। ईडी ने जो संपत्ति जब्त की है, अगर वह रिकॉर्ड मिलता है कि वे पैसे आपके हैं तो आपको दिलाकर ये मोदी दम लेगा। भ्रष्टाचारी कान खोलकर सुन लें, ये मोदी पर चाहे जितने हमले करें, मोदी है झुकने वाला नहीं हैं। भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा हो, ऐक्शन होगा, जरूर होगा। जिसने देश लूटा है, उसे लौटाना ही होगा। अपने संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री मोदी ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि 19 एवं 26 अप्रैल को गर्मी चाहे कितनी भी हो, आपको वोट डालने जरूर निकला होगा। मोदी ने कहा कि आप सब मेरे साथ बोलिए विकसित भारत के लिए 400 पार। युवाओं के अवसर के लिए 400 पार। नारी सशक्तीकरण के लिए 400 पार। भ्रष्टाचारियों के जेल भेजने के लिए 400 पार। ये मेरा पर्सनल काम है, चुनाव वाला नहीं है। आप घर-घर जाना कहना कि तुम्हारे मोदी मेरठ आए थे और आपको प्रणाम भेजा है।

पीएम मोदी चार अप्रैल को जमुई में पहले चरण के चुनाव प्रचार का करेंगे शंखनाद

पटना (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार अप्रैल को बिहार के जमुई जिले में आयेंगे। प्रधानमंत्री जमुई के खैरा प्रखंड अंतर्गत नरियाना पुल के समीप खाली भूखंड पर चुनावी सभा को संबोधित कर लोकसभा चुनाव के पहले चरण में एनडीए के जीत का शंखनाद करेंगे। भाजपा के जिलाध्यक्ष कन्हैया कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी निर्धारित कार्यक्रम के तहत एनडीए उम्मीदवार अरुण कुमार भारती के समर्थन में जमुई जिले के खैरा प्रखंड अंतर्गत नरियाना पुल के समीप खाली भूखंड पर चुनावी रैली को संबोधित करेंगे। चुनावी सभा के बाद वे अन्यत्र स्थान के लिए रवाना होंगे। उल्लेखनीय है कि एनडीए समर्थित लोजपा रामविलास के उम्मीदवार अरुण कुमार भारती का चुनावी मुकाबला महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी अर्चना कुमारी से है। पीएम मोदी अरुण कुमार भारती के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन भी अलर्ट है।

स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी के प्रत्याशी ने हाथ खड़े किए

कुछ घंटे पहले ही बनाया गया था उम्मीदवार

लखनऊ (हिंस)। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) के अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य के देवरिया लोकसभा सीट पर एसएन चौहान को प्रत्याशी बनाए जाने के कुछ घंटों के बाद ही श्री चौहान ने हाथ खड़े कर लिये। स्वामी प्रसाद को मुश्किल से मिलने प्रत्याशी एसएन चौहान के हाथ खड़े करने पर आरएसएसपी के पदाधिकारियों में मायूसी छाई है। गाजीपुर में अंसारी परिवार के दुख में शामिल हो कर लौटे स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि एसएन चौहान से पूर्व में हुई वार्ता के बाद देवरिया लोकसभा से राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी का प्रत्याशी घोषित किया था। फिर से उनसे वार्ता हुई और इसके पश्चात देवरिया लोकसभा सीट से एसएन चौहान को प्रत्याशी बनाया जाना निरस्त किया गया है।

बिहार के मैट्रिक बोर्ड में छठा स्थान प्राप्त कर परचून दुकानदार की बेटी ने बढ़ाया जिले का गौरव

सपना की डॉक्टर बनने की है चाहत

नवादा (हिंस)। नवादा जिले के कौआकोल प्रखंड के नावाडीह गांव निवासी सुधीर चौरसिया एवं संजूला देवी की पुत्री सपना कुमारी ने रविवार को घोषित मैट्रिक परीक्षा में 483 अंक लाकर पूरे बिहार में छठा स्थान प्राप्त किया है। नावाडीह गांव में परचून की छोटी से दुकान चलाने वाले सुधीर चौरसिया एवं गृहिणी संजूला देवी की दो पुत्रों एवं दो पुत्रियों में सबसे छोटी बिटिया सपना का डॉक्टर बनने की चाहत है। सपना के बड़े भाई गौतम नेवी में हैं जबकि दो अन्य भाई-बहन अभी पढ़ाई कर रहे हैं। अपने इस सफलता का श्रेय सपना ने अपने माता-पिता एवं गुरुजनों को दिया है। उन्होंने बताया कि गांव के ही उच्च माध्यमिक विद्यालय से उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा देकर उक्त सफलता उन्होंने हासिल किया है। सपना की प्रारंभिक शिक्षा भी इसी विद्यालय से हुई है। सपना के इस सफलता पर उसके माता, पिता सहित स्वजनों एवं ग्रामीणों में काफी खुशी देखी जा रही है। स्थानीय पंचायत समिति सदस्य नोमिन्ता कुमारी, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक अनूप प्रसाद यादव, शिक्षक व समाजसेवी अरुण कुमार, विद्यालय के प्रधानाध्यापक महेंद्र चौधरी आदि ने सपना के इस सफलता पर उन्हें बधाई दिया है।

यूपी : असदुद्दीन ओवैसी, पल्लवी पटेल ने बनाया तीसरा गठबंधन पीडीएम न्याय मोर्चा

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव में पिछड़ा, दलित और मुसलमान (पीडीएम) का नारा देते हुए ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहाद उल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी, अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल, अपना दल कमेरावादी की नेता डॉ. पल्लवी पटेल, प्रगतिशील मानव समाज पार्टी, राष्ट्र उदय पार्टी ने तीसरा गठबंधन पीडीएम न्याय मोर्चा की घोषणा की। अपना दल कमेरावादी की नेता डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि देश में जिसके सम्मान पर लगातार कुठाराघात किया जा रहा है, दलित मुसलमान और पिछड़ा। इसके लिए पीडीएम न्याय मोर्चा लेकर आए है। जब तक पीडीएम को न्याय नहीं मिलेगा, तभी तक न्याय के लिए लड़ेंगे। पीडीएम ही सरकार बनाता और बिगाड़ता रहा है। उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि ए में कन्फ्यूजन था, इसके लिए एम

हो गया है। अल्पसंख्यक को नहीं समझ पा रहे थे लोग, इसलिए एम लाए हैं। जिन्होंने मुझे विधायक बनाया है, वे चाहें तो फिर मेरा इस्तीफा ले लें। अपना दल कमेरावादी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने कहा कि सभी दलों के पदाधिकारी कार्यकर्ता अपनी आवाज बुलंद करें और नई दिल्ली तक आवाज को पहुंचाएं। राष्ट्र उदय पार्टी के बाबूलाल ने कहा कि पीडीएम का गठन न्याय के लिए किया गया है। भाजपा केवल अति पिछड़ा और पिछड़ा को हक नहीं देना चाहती है। जननायक कर्पूरी ठाकुर को केवल सम्मान देना चाहते हैं, उनके लोगों को न्याय नहीं देना चाहते है। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुरादाबाद में हसन साहब की बेइज्जती की गई। इससे क्या मैसेज जा रहा है। फिर रामपुर में क्या किया उन्होंने, सभी ने देखा है। जहां बात चुनाव में सीटों पर है, वह पल्लवी पटेल बताएगी। कोई हमारे गठबंधन में आना चाहता है तो उसका भी स्वागत है। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि 90 प्रतिशत मुसलमान ने समाजवादी पार्टी को मत दिया। उन्हें क्या मिल रहा है। पहले भी क्या मिला है। वे गलती कर नहीं सकते और मुसलमान की बात करने पर हम गलत हैं।

भाजपा चुनावों में 200 का आंकड़ा भी नहीं कर पाएगी पार : अभय चौटाला

फतेहाबाद (हिंस)। इनेलो के प्रधान महासचिव एवं विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि भाजपा ने इस बार 400 पार का नारा दिया है, लेकिन आज देश में जो हालात है, उसे देखकर साफ है कि इस बार भाजपा 200 के आंकड़े को भी पार नहीं कर पाएगी। देश की जनता बदलाव के मूड में है और देश ही नहीं हरियाणा में भी भाजपा का सुपड़ा साफ होगा। वह रविवार को फतेहाबाद की जाट धर्मशाला में लोकसभा चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। कार्यकर्ता बैठक को इनेलो के प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने भी संबोधित किया और लोकसभा चुनावों की तैयारियों को लेकर डोर टू डोर जाकर भाजपा सरकार की पोल खोलने का आह्वान किया। बैठक की

अध्यक्षता इनेलो जिला प्रधान बलविन्द्र कैरों व कार्यकारी जिला प्रधान हरि सिंह डांगरा ने की। बैठक में पहुंचने पर कार्यकर्ताओं ने फूलमालाओं और पटका पहनाकर अभय सिंह चौटाला व रामपाल माजरा का स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री रामस्वरूप रामा, पूर्व विधायक डॉ. सीताराम ने भी संबोधित किया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अभय सिंह चौटाला ने कहा कि हरियाणा में 25 मई को लोकसभा चुनाव होने हैं, ऐसे में कार्यकर्ता जनता के बीच जाकर पार्टी की नीतियों से अवगत करवाएं और उन्हें पार्टी के साथ जोड़ें। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में भाजपा ने जैसे 400 पार का नारा दिया था, हरियाणा में भी उसने 75 पार का नारा दिया था लेकिन हरियाणा की जनता ने उसे 40 सीटों पर समेटते हुए सत्ता से बाहर कर दिया था लेकिन प्रदेश के कुछ स्वार्थी लोग जो चुनावों में भाजपा को जमकर कोस रहे थे, सत्ता के लालच में भाजपा की गोद में जा बैठे और जनता के साथ विश्वासघात किया। प्रोपर्टी आईडी के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। लोगों को परेशान कर उन्हें लूटा जा रहा है। सिरसा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर को घेरते हुए अभय चौटाला ने कहा कि ऐसे दल-बदलू नेताओं का जनता से कोई सरोकार नहीं है। पहले वह कांग्रेस में रहा, फिर कांग्रेस छोड़कर टीएमसी में चला गया, फिर टीएमसी से आम आदमी पार्टी में चला गया। जब वह भी दाल नहीं गली तो वह भाजपा में शामिल हो गया। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को जनता से कोई सरोकार नहीं है। ऐसे लोग इसलिए रोज पार्टियां बदलते हैं कि कहीं से उनका दांव लग जाए और वह एमपी, एमएलए बन जाए। ऐसे लोगों से हमें सावधान रहना है और यह चुनाव ऐसे नेताओं को सबक सिखाने का सही मौका है। इनेलो प्रदेशाध्यक्ष रामपाल माजरा ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी को मजबूत करें। अपना बूथ और अपने गांव को मजबूत करे। लोकसभा चुनावों में इनेलो को हर बूथ से जीत हासिल करनी होगी।

शिबू सोरेन परिवार की कठपुतली बने मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन : बाबूलाल मरांडी

रांची (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने रविवार को एक्स के माध्यम से राज्य के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अफसोस है कि चम्पाई सोरेन पारिवारिक अंदरूनी महाभारत की परिस्थितिवश सोरेन परिवार की अनुकंपा पर मजबूरी में मुख्यमंत्री बनाए जाने के बाद इनके हाथों की कठपुतली बने हुए हैं। मरांडी ने कहा कि दिल्ली में स्वांग रचने से बेहतर होता कि वे झारखंड के छात्रों की समस्या का निदान करते। जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षा में धांधली करने वाले लोगों के साथ सख्ती बरतते, उन्हें जेल भेजते।

शाह ने रोड शो में भारत माता की जय के लगवाए नारे

खुली जीप में तय की डेढ़ किलोमीटर की दूरी

सीकर (हिंस)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को सीकर से लोकसभा चुनाव प्रचार की शुरुआत की। रविवार शाम कल्याण जी मंदिर से शाह ने रोड शो शुरू किया। उनके साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सीकर लोकसभा उम्मीदवार सुमेधानंद सरस्वती भी मौजूद रहे। रोड शो शहर के कल्याण जी के मंदिर से शुरू होकर घंटाघर, जाट बाजार होते हुए तापड़िया बगीची पहुंचा। इस दौरान बग्गी में भाजपा नेताओं की तस्वीरें भी नजर आई। तापड़िया बगीची पहुंचने के बाद रोड शो समाप्त हो गया। अमित शाह जयपुर के लिए निकल गए। अमित शाह और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिला खेल स्टेडियम पहुंचे। कुछ देर बाद वे कल्याण जी मंदिर पहुंचे और रोड शो की शुरुआत की। कल्याण जी मंदिर से अमित शाह का रोड शो शुरू होने के समय उनके साथ सीएम भजनलाल शर्मा और सीकर लोकसभा प्रत्याशी सुमेधानंद सरस्वती भी जीप में मौजूद रहे। कल्याण जी के मंदिर से घंटाघर तक सीकर विधानसभावार शाह का स्वागत किया गया। घंटाघर से सूरजपोल गेट तक धोद विधानसभा, सूरजपोल गेट से जाट बाजार तक लक्ष्मणगढ़ विधानसभा, जाट बाजार से फागलवा पेट्रोल पंप तक दांतारामगढ़ विधानसभा, पेट्रोल पंप से रेडियो सेंटर तक श्रीमाधोपुर, रेडियो सेंटर से नारायणी ज्वेलर्स तक फतेहपुर और चौमूं विधानसभा, नारायणी ज्वेलर्स से लक्ष्मी बर्तन भंडार तक नीमकाथाना, लक्ष्मी बर्तन भंडार से तापड़िया बगीची तक खंडेला विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। अमित शाह ने रोड शो में ओपन जीप में सवार होकर जनता का अभिवादन किया। रोड शो के रेडियो सेंटर के करीब पहुंचने पर श्रीमाधोपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। सीकर से भाजपा प्रत्याशी सुमेधानंद सरस्वती के समर्थन में हो रहे इस रोड शो में बग्गियों में भगवान राम, भारत माता समेत भाजपा के नेताओं की तस्वीरें लगाई गई थी। ओपन जीप में शाह के साथ मौजूद सीएम भजनलाल शर्मा ने अबकी बार 400 पार के नारे लगवाए। सूरजपोल से जाट बाजार गेट तक लक्ष्मणगढ़ विधानसभा के कार्यकर्ताओं ने शाह का स्वागत किया और पुष्प वर्षा की।

25 हजार रुपया का इनामी अपराधी रीना महतो बरियारपुर से गिरफ्तार

भागलपुर (हिंस)। डकैती कांड में फरार तथा 25 हजार रुपए का ईनामी अपराधी रीना महतो उर्फ श्रीकान्त सिंह उर्फ मृगेना सिंह को बरियारपुर से गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी कहलगांव डीएसपी ने रविवार को दी। डीएसपी ने बताया कि रसलपुर थाना क्षेत्र में हुए डकैती मामले का अभियुक्त रीना महतो उर्फ श्रीकान्त सिंह उर्फ मृगेना सिंह कई वर्षों से फरार चल रहा था। इसकी गिरफ्तारी के लिए 25 हजार रुपए का ईनाम भी घोषित किया गया था। उक्त अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक के द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, कहलगांव-01 के निगरानी में एक टीम गठित की गई।

शेखावत की पहल पर अरुणाचल का परशुराम कुंड बन रहा ब्रह्म तीर्थ

जोधपुर (हिंस)। भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने रविवार को विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में शिरकत की। विप्र सेना के होली स्नेह मिलन फाग महोत्सव में शेखावत ने बताया कि अरुणाचल प्रदेश में भगवान परशुराम कुंड को ब्रह्म तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है। समाज के सहयोग से वहां भगवान परशुराम की विशाल मूर्ति स्थापित हो रही है। फाग महोत्सव में भाजपा प्रत्याशी शेखावत ने बताया कि उन्हें पिछले कार्यकाल में कृषि राज्यमंत्री रहते हुए अरुणाचल प्रदेश जाने का मौका मिला था। वहां उन्हें परशुराम कुंड देखने का सौभाग्य मिला। उसे देखकर उनके मन में प्रेरणा जागी कि इस स्थान को विकसित किया जा सकता है। इस संबंध में उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी, गृह मंत्री अमित शाह, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और ब्राह्मण समाज का भरपूर साथ मिला। आज अरुणाचल प्रदेश के परशुराम कुंड को ब्रह्म तीर्थ के रूप विकसित किया जा रहा है। आज वहां न केवल भगवान परशुराम जी की विशाल मूर्ति स्थापित हो रही है, बल्कि 5000 करोड़ के विकास कार्य भी कराए जा रहे हैं। शेखावत ने बताया कि अगले छह माह के दौरान वो जगह पूरी तरह विकसित हो जाएगी। उसके बाद हर साल वहां एक करोड़ से अधिक लोग दर्शन करने के लिए जाएंगे। उन्होंने ब्राह्मण समाज से भी अपील की कि वहां एक बार दर्शन के लिए जरूर जाएं। शेखावत ने उनके संकल्प को पूरा करने के लिए सभी का आभार जताया। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि देश परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। पिछले 10 साल में देश में बड़े बदलाव आए हैं। समाज के अग्रणी लोग, विशेषकर ब्राह्मण समाज ने जब-जब अपनी भूमिका का सही निर्वहन किया, तब-तब समाज में निरंतर परिवर्तन आया। फाग महोत्सव के दौरान मनमोहक झांकियां और कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। विप्र सेना प्रमुख सुनील तिवाड़ी सहित विप्र समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। भाजपा प्रत्याशी शेखावत ने प्राकृतिक चिकित्सालय श्री जागृति संस्थान व श्री माणक शिव न्यास के कार्यक्रम में भागीदारी की। उन्होंने लोगों से संवाद किया और मोदी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों पर चर्चा की। उन्होंने लोगों से अपील की कि आगामी पांच वर्ष का कालखंड विकसित भारत की आधारशिला रखेगा, इसलिए इस लोकतंत्र के महायज्ञ में सहभागी बनने के साथ ही बदलाव का हिस्सा बनें। कार्यक्रम में समाजसेवी सुरेश गांधी, सुरेश राठी, शिवप्रकाश अरोड़ा, माधोदास मोदी, डॉ. पद्मजा शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में शिव प्रकाश आरोड़ा द्वारा रचित *मोह के संबंध* लघु कथा संग्रह परिवर्तन का विमोचन भी किया। भाजपा प्रत्याशी शेखावत ने पाल बालाजी मंदिर जाकर दर्शन किए। उन्होंने बालाजी महाराज के दरबार में धोक लगाई और मंदिर के पुजारी जी से आशीर्वाद लिया। शेखावत ने राजस्थान पेंशनर समाज उप शाखा प्रतापनगर में पेंशनर समाज के होली स्नेह मिलन समारोह में वरिष्ठ पेंशनर्स के साथ फूलों की होली खेली। कार्यक्रम में 75 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सदस्यों का सम्मान भी किया गया। मिल्कमैन कॉलोनी में होली मिलन समारोह में भाजपा प्रत्याशी शेखावत के परिवार के सदस्यों ने भागीदारी निभाई। धर्मपत्नी नोनद कंवर ने सभी का आभार अभिनंदन किया और मोदी जी के संकल्प को दोहराया। घनश्याम भाटी पार्षद वार्ड के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में महापौर वनिता सेठ, पार्षद संगीता सोलंकी, अशोक भाटी गीता भाटी, कमलेश गोयल, गायिका रेखा भाटी, कमल भाटी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रांची में पीएलएफआई का उग्रवादी गिरफ्तार

रांची (हिंस)। राजधानी की पिठौरिया थाना पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के सक्रिय सदस्य सूरज महतो उर्फ सूरज गोप को गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक पिस्टल, दो लोडेड मैगजीन, 10 गोली, दो मोबाइल फोन, 10 उग्रवादी पर्चा, एक बैग, वाहन रजिस्ट्रेशन कार्ड, पैन कार्ड और आधार कार्ड बरामद हुआ है। इसके अन्य तीन सहयोगी रात तथा जंगली क्षेत्र होने का लाभ उठाकर भाग गए। एसपी चंदन कुमार सिन्हा ने रविवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि रंगदारी के लिए क्रशर में आगजनी मामले का खुलासा करते हुए एक पीएलएफआई उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पिठौरिया थाना क्षेत्र में पीएलएफआई उग्रवादियों के जरिए घटना को अंजाम दिये जाने की सूचना प्राप्त हुई। ग्रामीण एसपी के नेतृत्व में क्यूआरटी टीम को शामिल करते हुए पिठौरिया थाना के मुरैठा से उग्रवादी सूरज महतो उर्फ सूरज गोप को गिरफ्तार किया गया। वह रातू थाना चिलदाग का रहने वाला है। गिरफ्तार उग्रवादी ने पूछताछ में मुरैठा में आपराधिक सहयोगियों में कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान, रंजन महतो उर्फ रंजन गोप, बब्लु गंझू के उपस्थित रहने की बात बतायी। उसने स्वीकारोक्ति बयान में बताया कि वह प्रतिबंधित संगठन पीएलएफआई का सक्रिय सदस्य है। वह

एरिया कमांडर कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान के नेतृत्व में उग्रवादी घटनाओं में शामिल रहा है। गिरफ्तार उग्रवादी ने बताया कि एक मार्च की रात को सांगा गांव स्थित हकीम अंसारी के स्टोन क्रशर प्लांट में आगजनी की घटना कृष्णा यादव उर्फ सुल्तान के नेतृत्व में किया गया था। इस घटना में वह भी शामिल था। क्रशर मालिक से कृष्णा यादव के जरिए दस लाख रुपए लेवी की मांग की गई थी, जिसे नहीं देने पर आगजनी की घटना में क्रशर प्लांट में खड़े हाईवा वाहन, लोडर एवं जेनरेटर में आग लगा दिया गया था। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार उग्रवादी के खिलाफ सात मामले दर्ज हैं। पुलिस टीम में ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल, डीएसपी अमर कुमार पांडेय, गौतम कुमार राय, सत्यदेव प्रसाद, मो मोबिन और एसएसपी की क्यूआरटी टीम शामिल थी।

हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री की पुत्रवधू आशा शर्मा भाजपा में शामिल

झज्जर (हिंस)। स्वतंत्रता सेनानी व प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पंडित भगवत दयाल शर्मा की पुत्रवधू आशा शर्मा रविवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गई। रोहतक से लोकसभा सांसद और चुनाव में क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार डॉ. अरविंद शर्मा ने उनको विधिवत रूप से पार्टी ज्वाइन करवाई। पंडित भगवत दयाल शर्मा ट्रस्ट की अध्यक्ष आशा शर्मा ने बताया कि वह पिछले काफी समय से समाजसेवा में लगी हुई थी और पंडित जबके सपनों को पूरा करने का प्रयास कर रही थी। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीति गरीब, मजदूर के हक की है। आशा शर्मा ने कहा कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सैनी के कार्यों की नीति में विश्वास रखते हुए भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की है।

शीतला सप्तमी पर गायत्री परिवार चलाएगा अभियान

जयपुर (हिंस)। बास्योड़ा पर शीतला माता को अर्पित ठंडे पकवानों को पानी में गीला होकर गलने से बचाने के लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार के महिला मंडल की ओर से अभियान चलाया जाएगा। किरण पथ मानसरोवर स्थित श्री वेदमाता गायत्री वेदना निवारण केंद्र में आंदोलन को लेकर बैठक हुई। इस मौके पर कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन कर महिलाओं को आवश्यक प्रचार सामग्री उपलब्ध करवाई गई। अभियान की प्रभारी नीलम वर्मा ने बताया कि सोमवार गायत्री परिवार की दो-दो महिलाओं की टोली शीतला पूजन करने वाली महिलाओं को आदर पूर्वक निवेदन करेगी कि प्रसादी का शीतला माता को भोग लगाकर पास रखे पात्र में ही डालें, ताकि यह प्रसादी किसी के काम आ सके। गीली होकर बर्बाद न हो। प्रसाद एकत्र करने के लिए मंदिर में बड़े बर्तन अथवा थैली रखी जाएगी। बाद में यह प्रसादी अनाथालय, कच्ची बस्ती, गौशाला में पहुंचा दी जाएगी ताकि उसका सदुपयोग हो सके। मंदिर में प्रसाद एकत्र करने के लिए यदि कुम्हार परिवार से कोई हो तो

और वे प्रसाद घर ले जाना चाहते हैं तो प्राथमिकता उनको ही देनी है। इससे पूर्व रविवार को शीतला माता मंदिर या अन्य मंदिरों में शीतला पूजन स्थान में अभियान से संबंधित बैनर लगाए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि गत पांच वर्षों से गायत्री परिवार मानसरोवर के महिला मंडल ने शीतलाष्टमी पर पूजन के समय प्रसादी भीगने या खराब होने से बचाने के लिए यह अभियान शुरू किया था। इस बार यह अभियान में पूरे जयपुर और राजस्थान के कई शहरों में चलाया जाएगा।

यूरोपीय नॉर्डिक-बाल्टिक देशों में निर्यात 10 तो आयात 9.5 प्रतिशत बढ़ा, स्वीडन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार

नई दिल्ली। स्वीडन के साथ भारत ने करीब 269 करोड़ डॉलर का कारोबार किया, इसमें से 96.16 करोड़ डॉलर का निर्यात और 173 करोड़ डॉलर का आयात शामिल है। इसके बाद फिनलैंड के साथ भारत ने 202 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। यूरोप के नॉर्डिक-बाल्टिक देशों के समूह के साथ भारत का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। निर्यात में 10.16 फीसदी, जबकि आयात में 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के मुताबिक, 2022-23 में इन देशों से भारत का आयात 540 करोड़ डॉलर पार हो गया। वहीं, स्वीडन इन देशों के समूह में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बन गया है। स्वीडन के साथ भारत ने करीब 269 करोड़ डॉलर का कारोबार किया, इसमें से 96.16 करोड़ डॉलर का निर्यात और 173 करोड़ डॉलर का आयात शामिल है। इसके बाद फिनलैंड के साथ भारत ने 202 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। नॉर्डिक देशों में शामिल डेनमार्क और नॉर्वे के साथ भी भारत के द्विपक्षीय कारोबार में खासी बढ़ोतरी हुई है। 2022-23 में डेनमार्क के साथ भारत का द्विपक्षीय कारोबार 168 करोड़ डॉलर व नॉर्वे के साथ 150 करोड़ डॉलर रहा है। वहीं, इस दौरान आइसलैंड के साथ 1.5 करोड़ डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ है। बाल्टिक देशो में 47.2 करोड़ डॉलर के कारोबार के साथ लिथुआनिया सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है। इसमें से भारत ने 35.7 करोड़ डॉलर का निर्यात और 11.4 करोड़ डॉलर का आयात किया है। सीआईआई के मुताबिक 2018-19 की तुलना में 2022-23 में नॉर्डिक-बाल्टिक देशों को भारत के निर्यात में 10.16 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह 245 करोड़ डॉलर से बढ़कर इस अवधि में 360 करोड़ डॉलर हो गया है। वहीं, आयात में करीब 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 384 करोड़ डॉलर से बढ़कर 544 करोड़ डॉलर पहुंच गया है।

गूगल दक्षिण कोरिया में चुनाव से पहले राजनीतिक विज्ञापन बंद करेगा

सोल। गूगल ने दक्षिण कोरिया में अगले महीने होने वाले आम चुनाव से पहले अपनी सेवाओं पर राजनीति से संबंधित सभी विज्ञापनों को निलंबित करने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, गूगल ने हाल ही में एक नोटिस पोस्ट कर कहा है कि वह दक्षिण कोरिया के चुनाव के दौरान राजनीतिक विज्ञापनों का समर्थन नहीं करेगा।

क्लियरट्रिप ने महेन्द्र सिंह धोनी को बनाया अपना नया ब्रांड एम्बेसेडर

बेंगलुरु। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट की एक कंपनी है क्लियरट्रिप प्राइवेट लिमिटेड,ने क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी को अपना नया ब्रांड एम्बेसेडर बनाया है। कंपनी के मुताबिक यह गठबंधन क्लियरट्रिप के लिये एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी महेन्द्र सिंह धोनी के साथ मिलकर यात्रा के मामले में सही फैसले लेने की हिमायत कर रही है। क्लियरचॉइस के तहत ब्राण्ड का मकसद यात्रियों को आसानी से फैसले लेने के लिये प्रेरित करना है। साथ ही लोगों को बिना किसी परेशानी के यात्रा का शानदार अनुभव प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि मीडिया में 42 वर्षीय धोनी की इस समय कुल संपत्ति 1040 करोड़ रुपये बताई जाती है। क्लियरट्रिप के ब्राण्ड एम्बेसेडर महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा कि मैंने अपने पूरे करियर में विभिन्न महाद्वीपों की यात्रा की है और मैं सही मायने में एक ग्लोबट्रोटर रहा हूं। इस तरह मुझे सफर के लिये अपने प्यार का पता चला। कई साल बाद ऐसी स्थिति हो गई कि मुझे सफर करने का इंतजार होने लगा और क्लियरट्रिप के साथ भागीदारी करने से ज्यादा रोमांचक मेरे लिये क्या हो सकता था, क्योंकि यह ब्राण्ड सफर का आईना है। यह सफर को मजेदार, यादगार और मायने रखने वाला बनाता है। मैं अपने करियर में रोजाना कड़े फैसले करता हूं, लेकिन क्लियरट्रिप के साथ फैसले करना आसान और स्पष्ट होता है। पारदर्शिता के लिये उनकी प्रतिबद्धता फैसलों को आसान बनाती है और सभी को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों की यात्रा करने देती है। क्लियरट्रिप की लॉन्चिंग जुलाई 2006 में हुई है। क्लियरट्रिप प्राइवेट लिमिटेड भारत की तेजी से आगे बढ़ती हुई ऑनलाइन ट्रैवेल टेक्नोलॉजी कंपनी है। अप्रैल 2021 में ई-कामर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने क्लियरट्रिप की बड़ी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। विडेक द्वारा हाल में किए गए अध्ययन के अनुसार क्लियरट्रिप हाल ही में देश में नंबर 2 ओटीए कंपनी के तौर पर उभर कर सामने आई है।

टॉप- 10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू 67,260 करोड़ बढ़ी

रिलायंस का मार्केट कैप 45,263 करोड़ बढ़ा टीसीएस में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट

मुंबई।

शेयर बाजार में लिस्टेड मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश टॉप-10 में से सात कंपनियों की कंबाइंड मार्केट-वैल्यू में पिछले हफ्ते 67,259.99 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। इनमें देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप सबसे ज्यादा 45,262.59 करोड़ बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप अब 20.14 लाख करोड़ हो गया है। रिलायंस के अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया , लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया बैंक भी पिछले हफ्ते मार्केट के टॉप गेनर रहे हैं। इनके मार्केट कैप में 5,533.26 करोड़, 5,218.12 करोड़ और 4,132.67 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है।

टीसीएस का मार्केट कैप 10,691.45 करोड़ गिरा वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 10,691.45 करोड़ गिरकर 14.05 लाख करोड़ रह गया है। पिछले हफ्ते कंपनी की वैल्यूएशन में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। तब, कंपनी का मार्केट कैप 1,10,134.58 करोड़ गिरा था। टीसीएस के अलाव इंफोसिस और भारती एयरटेल का वैल्यूएशन भी गिरा है।

पिछले हफ्ते मार्केट में तेजी रही थी

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में 819.41 अंक या 1.12 प्रतिशत की तेजी रही थी। वहीं, आखिरी कारोबारी दिन यानी 27 मार्च को सेंसेक्स 526 अंक की बढ़त के साथ 72,996 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 118 अंक की तेजी देखने को मिली, ये 22,123 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट देखने को मिली थी। बाजार में बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बढ़त रही। रिलायंस इंडस्ट्री के शेयर में 3.49 प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी का शेयर 2.53 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

अभी और बढ़ेगी सोने की चमक...कीमत 75 हजार तक जा सकती

नई दिल्ली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल के लिए फ्यूचर गोल्ड की कीमतें 67,800 रुपये प्रति 10 ग्राम को खत्म हुई हैं। भारत में वित्त वर्ष का अंतिम कामकाजी दिन था। इसके बाद मार्केट जब काम शुरू करेगा, तब नया वित्त वर्ष शुरू हो जाएगा। खत्म हो रहे वित्तीय साल की आखिरी 2 तिमाही में सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। 6 महीने में गोल्ड प्रति 10 ग्राम 11,000 रुपये तक बढ़ गया है। जानकारों का मानना है कि अभी इसकी कीमत में तेजी थमेगी नहीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय यूएस फेडर रिजर्व द्वारा इस साल ब्याज दरों में 3 बार होने वाली कटौती को दिया जा रहा है। इसके अलावा भू-राजनीतिक परिस्थितियां और यूएस में मुद्रास्फीति में गिरावट भी गोल्ड की चमक के पीछे का कारण बताए जा रहे हैं। केवल गोल्ड ही नहीं सिल्वर भी तेजी दिखने की उम्मीद है। जानकार का कहना है कि इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड सिंतबर 2024 तक 2,350 प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। बता दें कि अभी स्पॉट गोल्ड का प्राइस 2,254 डॉलर है। उन्होंने कहा है कि अगर कोई गोल्ड में निवेश करना चाह रहा है, तब वह फेडरल रिजर्व की मीटिंग और उस बैठक में होने वाली संभावित रेट कटौती को ध्यान में रखकर निवेश करे। बकौल फेडरल रिजर्व की अगली बैठक अप्रैल 30 अप्रैल से 1 मई के निर्धारित है जिसमें ब्याज दरों में कटौती की घोषणा हो सकती है। जानकारों के अनुसार वित्त वर्ष 25 में गोल्ड 72,000 से 75,000 रुपये के रिकॉर्ड हाई तक जा सकता है। उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमत 2,370 से 2,450 तक जा सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित रेट कट की घोषणा के बाद से बाजार में सोने का भाव और तेज हो गया है। उन्होंने कहा कि बाजार रेट कट से पहले ही उस पर प्रतिक्रिया देने लगा है। इसके अलावा भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति में हल्की गिरावट की वजह से भी सोने को समर्थन मिल रहा है।

घट रही है नियमित वेतन पाने वालों की मासिक कमाई, 12 वर्षों में 12,100 से घटकर 10,925 रुपये रह गई आय

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) की नई रिपोर्ट 'इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' के अनुसार भारत में नियमित वेतन पाने वालों और स्व-रोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट में वास्तविक कमाई का आकलन महंगाई (मुद्रास्फीति) के आधार पर किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार साल दर साल नियमित कर्मचारियों के औसत मासिक वास्तविक कमाई में लगातार गिरावट आई है। 2012 में नियमित कर्मचारियों की औसत मासिक कमाई 12,100 रुपये थी। अब यह सालाना 1.2 फीसदी की गिरावट के साथ 2019 में घटकर 11,155 रुपये प्रतिमाह हो गई। 2022 में यह 0.7 फीसदी की गिरावट के साथ 10,925 रुपये मासिक रह गया। आकस्मिक श्रमिकों की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई रिपोर्ट के अनुसार आकस्मिक श्रमिकों के मामले में उलट स्थिति सामने आई है। यानी पिछले दशक के दौरान उनकी वास्तविक कमाई में वृद्धि दर्ज की गई है। 2012 में इनकी औसत मासिक वास्तविक आय 3,701 रुपये थी जो सालाना 2.4 फीसदी की वृद्धि के साथ 2019 में बढ़कर 4,364 रुपये तथा 2022 में 4712 रुपये हो गई प्रतिमाह हो गई। नियमित कर्मचारियों और स्वरोजगार से संबद्ध लोगों की घटती कमाई के साथ ही आकस्मिक श्रमिकों की आय में हुई बढ़ोतरी का अर्थ यह है कि 2000 से 2022 के बीच पैदा हुई नौकरियों की गुणवत्ता पैमाने पर खरी नहीं थी। खेती-बाड़ी से जुड़े मजदूरों को नहीं मिल रहा न्यूनतम मेहनताना रिपोर्ट कहती है कि भारत में श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर न्यूनतम मेहनताना नहीं मिल है। श्रमिकों के एक बड़े हिस्से, विशेष रूप से आकस्मिक श्रमिकों को न्यूनतम वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा। राष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में 40.8 फीसदी नियमित श्रमिकों और 51.9 फीसदी आकस्मिक श्रमिकों को उतना पारिश्रमिक नहीं मिल रहा जितना उस क्षेत्र में किसी अकुशल श्रमिक के लिए प्रतिदिन के लिहाज से कम से कम तय किया गया है। इसके अलावा रिपोर्ट में निर्माण क्षेत्र में लगे श्रमिकों की कमाई का भी उल्लेख किया गया है। इस क्षेत्र से जुड़े 39.3 फीसदी नियमित कर्मचारियों और 69.5 फीसदी आकस्मिक श्रमिकों को अकुशल श्रमिकों के लिए प्रतिदिन के हिसाब से निर्धारित औसत न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा है।

भारत को सेमीकंडक्टर चिप बनाने की रेस में शामिल नहीं होना चाहिए, ऐसा करके वह बर्बाद हो जाएगा

भारत को हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट के बजाय शिक्षा प्रणाली दुरुस्त करनी चाहिए : रघुराम राजन

नई दिल्ली। देश में चार सेमीकंडक्टर यूनिट बनाने का काम शुरू हो चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि अगले पांच साल में भारत सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाले दुनिया के टॉप 5 देशों की सूची में शामिल होगा। लेकिन आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का कहना है कि भारत को सेमीकंडक्टर चिप बनाने की रेस में शामिल नहीं होना चाहिए। ऐसा करके वह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाने से भी जरूरी कई काम हैं। उसके इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट पर फोकस करने के बजाय अपनी शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त करना चाहिए। शिकागो यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में फाइनेंस के प्रोफेसर रघुराम राजन ने एक नोट में कहा कि भारत सरकार हायर एजुकेशन के सालाना बजट से ज्यादा पैसा चिप मैन्यूफैक्चरिंग के लिए सब्सिडी के रूप में दे रही है। यह अच्छी बात नहीं है। निश्चित रूप से यह विकसित देश बनने का रास्ता नहीं है। मोदी सरकार की नीतियों के धुर विरोधी रहे राजन ने साफ किया कि उनकी बात का यह मतलब नहीं है कि भारत को कभी भी सेमीकंडक्टर चिप नहीं बनाना चाहिए। लेकिन आज हर देश यही कर रहा है। इस रेस में पड़ने का मतलब खुद को बर्बाद करना है। भारत ने पिछले महीने तीन सेमीकंडक्टर प्लांट को मंजूरी दी थी। इन पर कुल 1.26 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा जिसमें सरकार की तरफ से 48,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। राजन ने अपने नोट में कहा कि वास्तव में चिप सब्सिडी कैपिटल सब्सिडी है। इसका मतलब यह है कि इसका फ्रंट से भुगतान किया जाएगा, यह प्रॉडक्शन पर आधारित नहीं है।

ईवी पंजीकरण फिर 1 लाख के पार, ओला इलेक्ट्रिक सबसे आगे, ग्राहक लूटा रहे ईवी गाड़ियों पर प्यार

मुंबई। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण एक लाख का जादूई आंकड़ा पार कर गया। देश में शुरुआत होने के बाद से दूसरी बार ऐसा हुआ है। अब कंपनियां मार्च के गिनेचुने दिनों में पंजीकृत वाहनों के सर्वाधिक आंकड़े तक पहुंचकर नया मुकाम हासिल करने की तैयारी में हैं। इसकी वजह यह है कि कंपनियां छूट के द्वारा आक्रामक रूप से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का अपना स्टॉक खत्म कर रही हैं और 31 मार्च तक वाहन पंजीकरण सुनिश्चित कर रही हैं।

अगर वे ऐसा करने में विफल रहती हैं, तब भारत में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ (हाइब्रिड ऐंड) इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम-2) के तहत मिलने वाली सब्सिडी की लागत उन्हें ही उठानी पड़ेगी। इस योजना के स्थान पर नई इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (ईएमपीएस 2024) योजना लाई जा रही है जो केवल चार महीने के लिए है। इसके बाद सभी के लिए सब्सिडी आधी रहेगी और सीमा भी घटेगी। पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की संख्या 1,00,031 का आंकड़ा पार कर चुकी थी। इसमें पिछले महीने की तुलना में 25 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हुआ है। पिछले साल मई में भी पंजीकृत ई-दोपहिया वाहनों की संख्या 1,01,372 वाहनों तक पहुंच गई थी। हालांकि मार्च महीना खत्म होने में कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन कंपनियों को उम्मीद है कि इस महीने सबसे ज्यादा पंजीकरण होगा।

वाहन पंजीकरण के लिहाज से ओला इलेक्ट्रिक ने फिर रफ्तार पकड़ी और 41,109 वाहनों का पंजीकरण किया। पिछले माह की तुलना में यह 20 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि है, जो उद्योग में किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी की अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है। आंकड़ों के आधार पर ओला इलेक्ट्रिक के पास अब 41 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है।

उनकी बिक्री की गतिविधियों पर नजर रखने वाले विश्लेषकों को उम्मीद है कि मार्च के अंत तक पंजीकरण 50,000 के करीब पहुंच जाएगा। फेम 2 योजना इस महीने के आखिर में समाप्त हो जाएगी और इसका स्थान 1 अप्रैल से शुरू होने वाली ईएमपीएस 2024 ले लेगी।

पीएलआई स्कीम से मेड इन इंडिया को मिला बड़ा बूस्ट, फार्मा सेक्टर में आया सबसे ज्यादा पैसा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने चार साल पहले प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम शुरू की थी। इसमें कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने पर बड़ी छूट दी जाती है। यह योजना एक हद तक सफल रही है और इसका कुछ सेक्टर में सकारात्मक असर नजर रहा है। लेकिन, अभी भी कई मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ऐसे हैं, जिनमें सरकार की उम्मीद के मुताबिक निवेश नहीं आ रहा है। आइए जानते हैं कि किन सेक्टर में निवेश बढ़ा है और बाकी सेक्टर में इन्वेस्टमेंट बढ़ाने के लिए सरकार क्या कर रही है। पीएलआई के तहत कितना निवेश आया सरकारी डेटा के मुताबिक, पीएलआई स्कीम के तहत 14 सेक्टरों को दिसंबर 2023 तक 1.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश मिला। इसमें फार्मा और सोलर मॉड्यूल सेगमेंट का योगदान तकरीबन आधा है। हालांकि, पिछले साल दिसंबर तक आईटी हार्डवेयर, ऑटो और ऑटो कंपोनेंट, टेक्सटाइल और एसीसी बैटरी स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में योजना को सुस्त रिस्पॉन्स मिला था। सरकार ने 2021 में टेलीकॉम, व्हाइट गुड्स, कपड़ा, मेडिकल इक्विपमेंट, ऑटोमोबाइल, विशेष इस्पात, खाद्य उत्पाद, सोलर पीवी मॉड्यूल, अडवांस केमिस्ट्री सेल बैटरी, ड्रोन और फार्मा जैसे 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई स्कीम का एलान किया था। फार्मा सेक्टर में किसने उठाया लाभ फार्मास्युटिकल्स और ड्रग्स सेक्टर में पिछले साल दिसंबर तक 25,813 करोड़ रुपये निवेश आया। सरकार को 17,275 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद थी, लेकिन आंकड़े इससे बेहतर रहे। फार्मा सेक्टर में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, ग्लेनमार्क फार्मा, बायोकॉन और वॉकहार्ट लिमिटेड ने स्कीम का लाभ उठाया। वहीं, हाई एफिशिएंसी सोलर पीवी मॉड्यूल की बात करें, तो कुल 22,904 करोड़ रुपये का निवेश आया। यहां स्कीम का लाभ उठाने वाली कंपनियों में शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स, रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड, अदाणी इंफ्रास्ट्रक्चर और टाटा पावर सोलर शामिल रहीं। अन्य सेक्टर का क्या रहा हाल फार्मा और पीवी मॉड्यूल के अलावा कई दूसरे सेगमेंट को भी पीएलआई स्कीम के तहत ठीकठाक निवेश मिला। इनमें थोक दवाएं (3,586 करोड़ रुपये), चिकित्सा उपकरण (864 करोड़ रुपये), खाद्य प्रसंस्करण (7,350 रुपये) शामिल हैं। वहीं, टेलीकॉम सेक्टर (2,865 करोड़ रुपये) मिला। सबसे बुरा प्रदर्शन आईटी हार्डवेयर सेक्टर का रहा। इसमें सरकार को 2,517 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद थी, लेकिन इन्वेस्टमेंट हुआ सिर्फ 270 करोड़ रुपये का। ऑटो और ऑटो कंपोनेंट सेक्टर भी सरकार की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा।

अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती को लेकर जल्दबाजी नहीं, केंद्रीय बैंक ने कहा- इससे महंगाई बढ़ने का खतरा

न्यूयार्क। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि वह ब्याज दरों में कटौती को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी में नहीं है। सैन फ्रांसिस्को फेड के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि हमें कटौती को लेकर जल्दबाजी की आवश्यकता नहीं है। पॉवेल ने कहा कि रोजगार का डेटा मजबूत रहा है। इस कारण केंद्रीय बैंक महंगाई दर के दो प्रतिशत के करीब आने का इंतजार कर रहा है। फेड चेयरमैन ने दरों में जल्द कटौती पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर हम दरों को बहुत जल्द कम करते हैं, तो संभावना है कि महंगाई फिर से बढ़ जाएगी और यह अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल होगा। पॉवेल ने ब्याज दरों को उनके मौजूदा स्तर पर छोड़ने के जोखिमों की पहचान की बात भी कही। एक रिपोर्ट के अनुसार, फेडरल रिजर्व दो जोखिमों में संतुलन की कोशिश कर रहा है। पहला यह है कि केंद्रीय बैंक के अधिकारी ब्याज दरों को लंबे समय तक उच्च स्तर पर नहीं रखना चाहते हैं। इससे गैर-आवश्यक मंदी का जोखिम है। दूसरा यह है कि अधिकारी महंगाई के नियंत्रण में आने से पहले जल्दबाजी में दरों में कटौती भी नहीं चाहते हैं। इससे पहले अमेरिका के फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के दौरान बेंचमार्क ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने का फैसला किया गया था। उस समय भी जेरोम पॉवेल ने कहा था कि हालिया महंगाई दर की वजह से ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने साल के अंत में तीन बार ब्याज दरों में कटौती करने के संकेत दिए थे।

सबसे खराब रिव्यू... नजमुल हसन शांतो के डीआरएस पर क्रिकेट जगत हैरान

नई दिल्ली।

क्रिकेट जगत उस वक्त हैरान रह गया जब बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने श्रीलंका के खिलाफ डीआरएस लिया। क्रिकेट फैंस ने इसे इतिहास में लिए गए सभी रिव्यू में खराब डीआरएस करार दिया है।

चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में दूसरे टेस्ट में, बांग्लादेश के कप्तान द्वारा किए गए फैसले से अंपायर और श्रीलंकाई बल्लेबाज दोनों चकित थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इस फैसले की खूब अलोचना हुई।

शांतो ने लिया सबसे खराब डीआरएस

दरअसल, 30 मार्च को बांग्लादेश और श्रीलंका दूसरे टेस्ट के दौरान एक दूसरे के सामने आए। श्रीलंका की पहली पारी के दौरान कुसल मेंडिस को आउट करने के लिए नजमुल हसन शांतो ने डीआरएस लिया था। ताइजुल इस्लाम की गेंद पर मेंडिस ने आगे आकर बॉल को डिफेंस किया था। इस पर शांतो ने कुछ देर साथी खिड़ियों से बात की, उसके बाद डीआरएस का इशारा कर दिया।

क्रिकेट रह गया हैरान -

बाद में थर्ड अंपायर ने रिप्ले में देखा की गेंद सीधे जाकर बल्ले पर जाकर लगी थी। थर्ड अंपायर ने मेंडिस को नॉट आउट करार दिया। रिप्ले देखकर मैदान पर उपस्थित सभी खिलाड़ी हंसते हुए दिखाई दिए। वहीं, मेंडिस के साथ-साथ अंपयार भी हैरान रह गए। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, फैंस शांतो की जमकर आलोचना कर रहे हैं।

बता दें कि श्रीलंका ने पहले दिन स्टंप्स तक 4 विकेट पर 314 रन बना लिए हैं। दिनेश चंडमल 34 और धनंजय डी सिल्वा 15 रन बनाकर नाबाद लौटे। कुसल मेंडिस ने 93 रन और करुणारत्ने ने 86 रन का योगदान दिया। निसान मदुशका ने 57 बनाए।

न्यूज ब्रीफ

बाबर पाकिस्तान के वनडे और टी-20 के कप्तान बनेः बोर्ड ने फिर कमान सौंपी, वनडे वर्ल्ड कप के बाद छोड़ी थी कप्तानी

नई दिल्ली। बाबर आजम फिर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के वाइट-बॉल (वनडे और टी-20) के कप्तान नियुक्त किए गए हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसका ऐलान किया। पाकिस्तान का वनडे वर्ल्ड कप 2023 में खराब प्रदर्शन रहा था। वर्ल्ड कप के बाद ही बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद टेस्ट का कप्तान शान मसूद को और टी-20 फॉर्मेट का कप्तान शाहीन अफरीदी को बनाया गया था। बाबर की कप्तानी में टीम वनडे और टी-20 की टीम रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंची बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान टीम वनडे और टी-20 की टीम रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंची थी। उन्हीं की कप्तानी में टीम टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन टीम को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा शाहीन अफरीदी की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार झेलनी पड़ी थी।

पूर्व कोच संजय सेन ने तथाकथित विदेशी कोचों पर साधा निशाना

नई दिल्ली। इस हफ्ते की शुरुआत में गुवाहाटी में 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अफगानिस्तान के खिलाफ ब्लू टाइगर्स की चौंकाने वाली हार के बाद भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमैक को हटाने की मांग बढ़ रही है, एक पूर्व शीर्ष कोच ने क्रोएशियाई विश्व कप खिलाड़ी को बर्खास्त करने की आवाज उठाई है। एशियाई खेलों और एएफसी एशिया कप में लगातार खराब प्रदर्शन के बाद स्टिमैक की आलोचना हो रही है, इसके बाद आभा, सऊदी अरब में 158वीं रैंकिंग वाले अफगानिस्तान के खिलाफ गोल रहित ड्रा और 26 मार्च को रिटर्न लेग में गुवाहाटी में 1-2 से हार मिली। . 2018-19 में आईएसएल क्लब एटीके के पूर्व तकनीकी निदेशक संजय सेन (63), जो बाद में टीम के सहायक कोच बने, ने स्टिमैक के खिलाफ पूरी तरह से हमला बोलते हुए कहा, भारतीय फुटबॉल उनकी मदद से एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पाया है। विशेष रूप से बात करते हुए, मोहन बागान को 13 साल बाद 2014-15 आई-लीग खिताब दिलाने वाले सेन ने हाल के मैचों में राष्ट्रीय टीम की हार के लिए क्रोएशियाई कोच को जिम्मेदार ठहराया। सेन ने कहा, अगर स्टिमैक की जगह कोई भारतीय कोच होता, तो वह बहुत पहले ही अपनी नौकरी खो देता। यह सब हमारे द्वारा विदेशी कोचों को खुश करने के कारण है। यह सोचकर कि भारत को एक विदेशी कोच से क्या हासिल हुआ, सेन ने कहा, मुझे नहीं पता कि हमें मिला या नहीं। क्या फुटबॉल का स्तर सुधर गया है मुझे नहीं पता। मेरी मामूली समझ में, मुझे लगता है कि भारतीय फुटबॉल इन तथाकथित विदेशी कोचों की मदद से एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पायी है, चाहे वह स्टीफन कॉन्सटेंटाइन हों, या इगोर स्टिमैक। मुझे यह भी लगता है कि बॉब हॉटन के बाद कोई भी सक्षम विदेशी कोच भारत नहीं आया है। यदि हम अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल को देखें, तो अधिकांश टीमों के पास अपना राष्ट्रीय कोच होता है।

पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के लिए फ्रांस ने मांगी सहायता

पेरिस। आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए फ्रांस की सरकार ने अन्य देशों से सहायता मांगी है। फ्रांस ने इन देशों से ओलंपिक की सुरक्षा में सहायता के लिए दो हजार से अधिक पुलिस अधिकारी उपलब्ध कराने को कहा है। फ्रांस ने ऐसा किसी भी संभावित आतंकी हमले से निपटने के लिए कहा है। फ्रांस के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि विदेशी सुरक्षा सहायता के लिए अनुरोध जनवरी में किया गया था जिसमें लगभग दो हजार 185 सुरक्षाकर्मियों की मांग की गई थी। विभिन्न देशों के सुरक्षा अधिकारियों से खेलों की सुरक्षा और 'दर्शकों के अनुभव' तथा 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने' में मदद मांगी गई है। ये भी कहा गया है कि फ्रांस ने भी साल 2022 में कतर में फुटबॉल विश्व कप में अपने सुरक्षाकर्मियों को भेजा था। इसके साथ ही पिछले साल फ्रांस द्वारा आयोजित रग्बी विश्व कप की सुरक्षा में भी यूरोपीय देशों के 160 सुरक्षाकर्मी शामिल हुए थे। फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने अन्य देशों से सैन्य कर्मियों के साथ ही खोजी कुत्तों की टीमों की भी मांग की है जो सुरक्षा में अहम भूमिका निभा सकें। हाल के कुछ वर्षों में फ्रांस में आतंकी गतिविधियां बढ़ीं हैं।

बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी ने फिर रचा इतिहास, रैंकिंग में भी शीर्ष पर लौटे

मेलबर्न।

भारत के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलिया के उनके जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष डबल्स वर्ग का खिताब जीत लिया। इस जोड़ी ने इस साल दूसरी बार इतिहास रचा और बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी एटीपी मास्टर्स 1000 ट्रॉफी जीतने वाली सबसे उम्रदराज जोड़ी बन गई। इससे पहले वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन में भी इन दोनों की जोड़ी विजेता बनी थी। वह ऐसा करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी थे।

एक सेट से पिछड़कर की वापसी - इस साल शानदार प्रदर्शन कर रहे 44 वर्षीय बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी फाइनल में क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिकेक की जोड़ी से एक सेट से पिछड़ गई थी, लेकिन इस जोड़ी ने शानदार वापसी की और हार्ड रॉक स्टेडियम में खेले गए खिताबी मुकाबले में 6-7(3), 6-3, 10-6 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही बोपन्ना ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा और वह सबसे अधिक उम्र में एटीपी खिताब जीतने वाले खिलाड़ी बने। इससे पहले उन्होंने पिछले साल इंडियन वेल्स में 43 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था।

रैंकिंग में शीर्ष पर की वापसी - ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद बोपन्ना एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए थे। हालांकि दुबई चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल और इंडियन वेल्स के राउंड-32 में हारने के बाद यह जोड़ी दूसरे नंबर पर खिसक गई थी, लेकिन मियामी ओपन में खिताब जीतने के बाद यह जोड़ी जारी होने वाली एटीपी की नवीनतम रैंकिंग में शीर्ष पर वापसी कर लेगी।

बोपन्ना के नाम है कई उपलब्धियां - भारत के सबसे सफल टेनिस खिलाड़ियों में शामिल बोपन्ना के नाम कई उपलब्धियां दर्ज हैं। बोपन्ना के करियर का यह 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था, जबकि वह पहली बार मियामी ओपन के खिताबी मुकाबले में पहुंचे थे। ओवरऑल यह उनका 63वां टूर स्तर का फाइनल था। बोपन्ना के करियर का यह 26वां डबल्स खिताब है। बोपन्ना और एब्डेन की जोड़ी का यह पांचवां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल था।

मोंटे कार्लो और म्यूनिख में नजर नहीं आयेंगे एंडी मरे

मियामी। ब्रिटेन के टेनिस स्टार एंडी मरे मोंटे कार्लो और म्यूनिख में क्ले कोर्ट पर होने वाले टेनिस टूर्नामेंटों में नहीं खेलेंगे। मरे के यहां जारी मियामी ओपन में टखने में चोट लगी है। उन्हें टोमास माचाक के खिलाफ मैच में चोट लग गयी थी। उन्हें इससे उबरने में लंबा समय लगेगा। इसी कारण उन्हें मोंटे कार्लो और म्यूनिख में आगामी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। मोंटे कार्लो मास्टर्स सात अप्रैल से शुरू होगा जबकि म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू ओपन अगले हफ्ते से खेला जायेगा। मियामी ओपन के एक मैच के दौरान उनके बायें टखने की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और उसी के बाद से ही वह इलाज के लिए खेल से दूर हो गये हैं। इसके साथ उन्होंने घोषणा की कि वह लंबे समय तक टेनिस नहीं खेल पायेंगे। उनकी प्रबंधन टीम के बयान के अनुसार, ''इस समय अभी तक स्पष्ट नहीं है कि मरे कितने लंबे समय तक टेनिस से दूर रहेंगे। वह अपनी चिकित्सा टीम के साथ शीघ्र ही फिटनेस हासिल करने के प्रयास करेंगे।''सा ही कहा गया, ''निश्चित रूप से यह इस स्टारा खिलाड़ी के लिए बहुत ही निराशाजनक बात है हालांकि उन्होंने कहा हैक वह जितना जल्दी हो सके कोर्ट पर वापसी का प्रयास करेंगे।

गोवा में महिला फुटबॉलरों के साथ एआईएफएफ सदस्य दीपक शर्मा ने की मारपीट, अंडे को लेकर शुरू हुआ था विवाद

गगरेट।

हिमाचल प्रदेश के जिला ऊना के फुटबॉल क्लब खड्डु की दो खिलाड़ियों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खिलाड़ियों के अनुसार, शर्मा ने गोवा में चल रही भारतीय महिला लीग-2 के दौरान एक होटल के कमरे में उनकी पिटाई की। इन खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया फुटबाल फेडरेशन के पास शिकायत की है।

घटना के समय नशे में थे दीपक शर्मा

दीपक शर्मा हिमाचल प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव और एआईएफएफ की प्रतियोगिता समिति के उपाध्यक्ष हैं। खिलाड़ियों का यह भी आरोप है कि घटना के समय शर्मा नशे में थे और जब वे हिमाचल प्रदेश से गोवा जा रहे थे तो उनके सामने भी शराब पी रहे थे।

फुटबॉल खिलाड़ी पलक वर्मा ने इस घटना के बारे में बताया कि उस दिन मैं घायल हो गई थी और अपने कमरे में अंडे लेकर आई थी।

अंडे को लेकर शुरू हुई बहस

रात को रूममेट लड़की के साथ रसोई में अंडे बना रही थी। उस समय सर ने हमें अपने कमरे में बुलाया। दूसरी लड़की उनके कमरे में गई और उनसे पूछा कि क्या कर रहे हैं। उसने बताया कि अंडा तैयार किया जा रहा है। सर ने उस लड़की को डांटा और फिर मुझे बुलाया। उन्होंने अभद्र तरीके से पूछा कि अंडा क्यों बना रही हो। इस पर पलक ने कहा कि खाना खत्म हो गया है और इसलिए अंडा बना रही थी। शर्मा उस समय नशे में थे। उन्होंने मुझसे अंडे फेंकने के लिए कहा।

ऑल इंडिया फुटबाल फेडरेशन ने गठित की कमेटी

मैं रोने लगी और अपने कमरे में आकर दरवाजा पीटने लगी। यह सुनते ही सर मेरे कमरे में पहुंचे और मुझे पीटने लगे। मेरी रूममेट ने उन्हें रोका तो वह चले गए। इस मामले पर दीपक शर्मा का पक्ष जानने के लिए उन्हें कई बार फोन करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। हालांकि मामले की जांच के लिए ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की है।

कोलिन्स ने रिबाकिना को अपदस्थ कर मियामी ओपन का खिताब जीता

फ्लोरिडा।

गैरवरीय अमेरिकी डेनिएल कोलिन्स ने डब्ल्यूटीए 1000 मियामी ओपन जीतने के लिए नंबर 4 वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना को 7-5, 6-3 से अपदस्थ कर अपने करियर का सर्वोच्च स्तर का खिताब हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों द्वारा पावर हिटिंग के 2 घंटे और 2 मिनट के जबरदस्त प्रदर्शन में, 30 वर्षीय कोलिन्स ने अपने करियर का तीसरा डब्ल्यूटीए एकल खिताब, अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब और 2021 से किसी स्तर पर अपना पहला खिताब अपने नाम किया।

उसने अपने पिछले 21 मैचों में से 17 में जीत हासिल की और जीत के साथ, अमेरिकी अगले सप्ताह तक विश्व में 22वें नंबर पर पहुंच जाएगी। कोलिन्स 2018 में स्लोएन स्टीफंस के बाद मियामी ओपन खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला बनीं। वह मार्टिना नवरातिलोवा, क्रिस एवर्ट, तीन बार की चैंपियन वीनस विलियम्स, आठ बार की चैंपियन सेरेना विलियम्स और स्टीफ़ंस के बाद ताज जीतने वाली कुल मिलाकर छठी अमेरिकी महिला बन गई हैं।

उन्होंने ऑफ-कोर्ट स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इस सीज़न के अंत में संन्यास लेने का अपना निर्णय बरकरार रखा है। उन्होंने पेशेवर टेनिस से अपनी विदाई की कोई तारीख तय नहीं की है और कम से कम यूएस ओपन तक खेलने की योजना बना रही हैं। कोलिन्स ने टूर्नामेंट वेबसाइट से कहा,आज बाहर जाना और प्रशंसकों से मुझे जो ऊर्जा महसूस हुई और सचमुच ऐसा महसूस हुआ कि मैं अपने हजारों सबसे अच्छे दोस्तों के सामने खेल रही हूं, यह अद्भुत था, यह बिल्कुल अवास्तविक था।

मैं इस दिन को कभी नहीं भूलूंगी। कोलिन्स ने खुलासा किया कि पिछले सीज़न के लिए उनकी योजनाओं में डब्ल्यूटीए 1000 जीतना शामिल था, और तथ्य यह है कि वह पेशेवर टेनिस नहीं खेलेंगी।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आज मैंने इतना अच्छा खेला और अच्छा काम किया, इसका एक कारण यह था कि मेरी मानसिकता यह थी कि मैं इसके हर मिनट का आनंद लूंगी। यह मेरा आखिरी साल है, यह मेरा आखिरी सीजन है , और ये मेरी कुछ अंतिम घटनाएं हैं। मैं इन पलों को याद करना चाहती हूं।

लखनऊ सुपरजायंट्स के पेसर मयंक यादव ने डेब्यू मैच में डाली आईपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद

नई दिल्ली।

लखनऊ सुपर जायंट्स के डेब्यटेंट तेज गेंदबाज मयंक यादव ने 30 मार्च को आईपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड बनाया। दिल्ली के 21 साल के युवा खिलाड़ी ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेलते हुए अपनी तेज गति से पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया।

मयंक ने पंजाब के खिलाफ अपने दूसरे ओवर में 155.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी, जो इस सीजन की सबसे तेज गेंद थी और उन्होंने राजस्थान के नांद्रे बर्गर को पछाड़ दिया। मयंक यादव ने अपने डेब्यू मैच में तीन बल्लेबाजों का शिकार किया और अपनी टीम को जीत दिलाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेयरस्टो को बनाया पहला शिकार

जब टीम को सबसे ज्यादा विकेट की जरूरत थी तब मयंक ने पहली विकेट के रूप में जॉनी बेयरस्टो को आउट किया। उसके बाद प्रभसिमरन को आउट कर मैच में रोमांच पैदा कर दिया। तीसरी विकेट के रूप में जितेश शर्मा को चलता किया। मयंक ने 147 KMKPH डिलीवरी के साथ शुरुआत की और फिर वहां से आगे बढ़ते गए।

जानें कौन हैं मयंक यादव

एक होनहार युवा क्रिकेटर मयंक यादव को आईपीएल 2022 में लखनऊ ने खरीदा था। 17 जून 2002 को जन्मे मयंक तेज गेंदबाजी के रूप में जाने जाते हैं। मयंक 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने में सक्षम हैं।

पिछले साल हुए अंडर-23 कर्नल सीके नायडु में मयंक ने जोरदार प्रदर्शन किया था। मयंक ने 6 मैच में ही 15 विकेट अपने नाम किए थे। इसमें छत्तीसगढ़ के खिलाफ एक ही मैच में उन्होंने 5 विकेट चटकाए थे। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने 66 रनों का योगदान दिया था।

ऐसा रहा है घरेलू क्रिकेट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2023-24 में भी मयंक ने प्रभावी प्रदर्शन किया था। टूर्नामेंट के चार मैचों में मयंक ने पांच विकेट लिए थे। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी में भी उन्होंने पांच मैच में 6 विकेट अपने नाम किए थे। 2023 देवधर ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेलते हुए मयंक ने पांच मैचों में 12 विकेट हासिल किए थे। मयंक यादव के करियर की बात करें तो वह दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अब तक केवल एक ही फर्स्ट क्लास मैच खेला है। मयंक ने 17 लिस्ट-ए और 10 टी20 मैच खेले हैं।

लिस्ट-ए में मयंक के नाम 34 विकेट दर्ज हैं और उनकी इकॉनमी भी 5.35 की रही है। टी20 में मयंक ने 6.44 की शानदार इकॉनमी के साथ 12 विकेट हासिल किए हैं।

हार्दिक-टेटे ने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीता, इनाम में मिले 25-25 लाख

नई दिल्ली।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने हॉकी इंडिया अवॉर्ड्स में पुरस्कारों की झड़ी लगा दी। इस कड़ी में उन्होंने पीआर श्रीजेश, हरमनप्रीत सिंह और मनप्रीत सिंह जैसे कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। हार्दिक ने साल 2023 के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। महिलाओं की श्रेणी में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड सलीमा टेटे ने जीता।

हार्दिक और सलीम को बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया। साथ ही 25-25 लाख रुपये भी दिए गए। इतना ही नहीं, हार्दिक ने साल (2023) के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर होने के लिए अजीत पाल सिंह अवॉर्ड भी जीता। उन्हें इनाम के तौर पर पांच लाख रुपये भी मिले।

हरमनप्रीत सिंह सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुने गए - भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरममप्रीत सिंह सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुने गए और उन्हें परगट सिंह अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें भी इनाम के तौर पर पांच लाख रुपये दिए गए। वहीं, भारत के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश को साल का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। उन्हें बलजीत सिंह गोलकीपर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। श्रीजेश ने इस मामले में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया को पीछे छोड़ा।

अभिषेक सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड खिलाड़ी- बेस्ट फॉरवर्ड खिलाड़ी के लिए धनराज पिल्लै अवॉर्ड युवा स्ट्राइकर अभिषेक ने जीता। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (पुरुष) के लिए जुगराज सिंह पुरस्कार अरायजीत सिंह हुंडल ने जीता। वहीं, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (महिला) के लिए असुंता लाकड़ा पुरस्कार दीपिका सोरेंग को मिला। ये अंडर-21 हॉकी खिलाड़ियों के लिए हैं। दोनों विजेता खिलाड़ियों को इनाम के तौर पर 10-10 लाख रुपये मिले।

अशोक कुमार को ध्यानचंद पुरस्कार

इस समारोह में शीर्ष पुरस्कार हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड का रहा, जिसे उनके (ध्यानचंद) बेटे अशोक कुमार ने जीता। अशोक को 30 लाख रुपये से सम्मानित किया गया। इस साल के लिए कुल इनामी राशि 7.56 करोड़ रुपये की थी।

हार्दिक और सलीमा ने क्या कहा- हार्दिक ने सम्मानित होने के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप कोई व्यक्तिगत पुरस्कार जीतते हैं तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है लेकिन यह हमारा पेशा है। हम साल में 300 दिन हॉकी जीते हैं और इन उपलब्धियों को हासिल करने के कारण ही जब किसी व्यक्तिगत खिलाड़ी को इस तरह की प्रशंसा मिलती है, तो उसे पता होना चाहिए कि पूरी टीम उस पर भरोसा कर रही है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं अच्छा कर रहा हूं, लेकिन हमारा मुख्य ध्यान टीम पर है क्योंकि हॉकी एक टीम गेम है।'

वहीं, सलीमा ने कहा कि यह सम्मान उन्हें देश के लिए और अधिक सम्मान अर्जित करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा- जब भी मुझे भारतीय जर्सी पहनने और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मैदान पर उतरने का मौका मिलता है तो यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह पुरस्कार मुझे हर दिन और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा ताकि मैं आगे भी अच्छा प्रदर्शन कर सकूं और देश को गर्व महसूस करा सकूं।

समारोह की ऐसे हुई शुरुआत- समारोह की शुरुआत माइलस्टोन अवार्ड्स 2023 से हुई, जिसमें विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक, नीलकंठ शर्मा, सुमित, कृष्ण बहादुर पाठक, उदिता, सलीमा और गुरजंत सिंह ने 100 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी जीती। निक्की प्रधान, अमित रोहिदास, ललित कुमार उपाध्याय और नेहा को भी 150 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए 1.5 लाख रुपये और एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

इन खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित- हरमनप्रीत सिंह को 200 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए दो लाख रुपये और एक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता को 250वीं कैप हासिल करने के लिए एक ट्रॉफी के साथ 2.5 लाख रुपये दिए गए। श्रीजेश को 300वीं अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने के लिए एक ट्रॉफी के साथ तीन लाख रुपये दिए गए।

पिछले साल, स्ट्राइकर वंदना कटारिया अपनी 300वीं अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने वाली पहली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी बनीं और इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्हें ट्रॉफी के साथ तीन लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। 350 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मनप्रीत सिंह को 3.5 लाख रुपये और एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

व्यक्तिगत उपलब्धि पुरस्कारों की दूसरी श्रेणी में, दीपिका, मोहित एचएस, अन्नू, अंजलि बरवा, मनिंदर सिंह, दीपिका सोरेंग, मनदीप सिंह, सलीमा, संगीता कुमारी और हरमनप्रीत सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

पैरासेटामॉल से बेहतर पेनकिलर है बीयर, नई रिसर्च का दावा

लंदन। बियर पीने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। नई रिसर्च में दावा किया गया है कि आमतौर पर दर्द में राहत दिलाने के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा पैरासेटामॉल से कहीं बेहतर पेनकिलर बियर साबित हो सकती है। यूके स्थित ग्रीनविच यूनिवर्सिटी के 400 लोगों पर किए गए 18 रिसर्च में यह खुलासा हुआ है।

रिसर्च में पाया गया कि बियर पीने से या तो दर्द का अहसास घट जाता है क्योंकि बियर ब्रेन रिसेप्टर्स पर काम करती है या फिर यह चिंता घटाने में मदद करती है। इसकी वजह से परेशानी की तीव्रता कम हो जाती है। यही वजह से कि जितनी ज्यादा बियर पी जाएगी, दर्द का अहसास उतना ही कम होगा।

कोडेन जैसे ड्रग्स से तुलना : 'द सन' को दिए गए बयान में ग्रीनविच यूनिवर्सिटी के ट्रेवर थॉमसन ने कहा, हमने तगड़े सबूत पाए हैं कि ऐल्कॉहॉल प्रभावी पेनकिलर है। इसकी तुलना कोडेन जैसे ओपिऑयड ड्रग्स से की जा सकती है जो कि पैरासेटामॉल की तरह ही असरदार है।

चिंता कम होती है : अगर खून में .08% ऐल्कॉहॉल है, तो दर्द में काफी कमी आती है। विशेषज्ञ इसके पीछे का कारण खोजने में जुटे हैं। इसकी एक वजह उन्हें यह लगती है कि ऐल्कॉहॉल चिंता कम करता है, जिसके कारण दर्द की तरफ हमारा ध्यान नहीं जाता।

सौंदर्य

ब्राइडल हेयरस्टाइल: ट्रेंड बदल रहा है

दुल्हन की हेयरस्टाइल में समय के साथ बदलाव आ रहा है। जहां पहले लहंगा चोली के साथ केवल जूड़ा बांधा जाता था, वहीं अब कई तरह के ट्रेंड छाए हुए हैं। इसमें हिट हैं हेयर कलरिंग और हेयर एक्सटेंशन्स। साथ ही बालों की शाइनिंग बढ़ाने और उन्हें हेल्थी दिखाने के लिए मॉर्डन ब्राइड कैराटिन हेयर स्पा को तवज्जो दे रही हैं।

हेयर कलरिंग और एक्सटेंशन्स

अपने लुक में बिंदास बदलाव लाने के लिए भावी दुल्हनें हेयर कलरिंग और हाइलाइटिंग करवाना पसंद कर रही हैं। अगर आप भी यह करा रही हैं तो इस बात का खयाल रखें कि बालों का कलर आपकी त्वचा और आंखें के रंगों के साथ जंचता हुआ हो। हेयर कलर शादी के दिन से कम से कम 15 दिन पहले करवाया जाना सही रहता है। जो दुल्हनें बालों को कलर नहीं करवाना चाहतीं, वे रंगबिरंगे हेयर एक्स्टेंशन्स का इस्तेमाल करती हैं, जिनमें नैचरल बालों को दूसरे रंग के बालों से जोड़ दिया जाता है।

कैराटिन हेयर स्पा

बालों को तुरंत शाइनिंग देने में काम आता है कैराटिन हेयर स्पा। डैमेज बालों को हेल्दी बनाने में भी यह मदद करता है। इस स्पा के बाद बालों में आई शाइनिंग आपके लुक को कई गुना अट्रैक्टिव बना देती है। हां, इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी तरीका अपनाने से पहले उसके बारे में ब्यूटिशियन से पूरी जानकारी लें।

फ्लावर्स और अक्सेसरीज का यूज

इन दिनों झीनी और हल्की चुन्नियों की मांग है, जिन्हें ड्रेस के साथ केवल सिर पर टिका दिया जाता है, इसलिए बालों का खूबसूरत स्टाइल और हेयर अक्सेसरीज़ दोनों ही बातों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। बालों को संवारने के लिए ऑर्किड, गुलाब या जैस्मिन जैसे फूलों के अलावा स्टड्स व क्रिस्टल अक्सेसरीज़ का इस्तेमाल किया जा रहा है।

टेक्स्चर्ड हेयर्स

मेहंदी या कॉकटेल के अवसर पर टेक्स्चर्ड हेयर्स और शादी के दिन बालों को पीछे की ओर किए हुए स्टाइल्स पसंद किए जा रहे हैं। अलग-अलग रस्मों के अवसर पर अलग-अलग स्टाइल्स, जैसे- चोटी, जूड़ा या सॉफ़्ट वेव्स का इस्तेमाल बढ़ा है।

विग का ट्रेंड

विग खरीदने से पहले देख लें कि वह आपके सिर में फिट हो रहा है या नहीं। ये दो तरह के होते हैं - इंसानों के बाल से बने विग और सिंथेटिक बाल से बने विग. दोनों के ही अपने-अपने नुकसान और फायदे हैं। अगर आप केवल शादी के पर्पज ही विग खरीदना चाहती हैं सिंथेटिक बालों का ही विग लें। इसकी लाइफ करीब तीन महीने होती है और यह आपको ज्यादा महंगा भी नहीं पड़ेगा।

गर्मी की छुट्टियों में कूल-कूल लर्निंग

बच्चों को समर वेकेशन का इंतजार शिद्दत से रहता है, तो उनके पैरंट्स के लिए ये छुट्टियां बहुत से मौके लेकर आती हैं। होमवर्क और असाइनमेंट की चिंता से दूर बच्चे इस दौरान क्रिएटिव लर्निंग की ओर ध्यान दे सकते हैं।

हर बार की तरह इस बार भी बच्चों की इन वेकेशंस को क्रिएटिविटी से भरपूर बना सकते हैं। हर शहर में बच्चों को डांस से लेकर पेन्टिंग और स्वीमिंग से लेकर क्रिकेट के गुर सिखाने के लिए वर्कशॉप व कैंप ऑर्गनाइज किए जा रहे हैं। गर्मी के माहौल में ये लर्निंग सेंटर टैलंट को कूल तरीके से शेप देंगे। अगर आप भी चाहती हैं कि आपका बच्चा एक्स्ट्रा करिक्युलम ऐक्टिविटीज में आगे बढ़े तो उसे समर कैंप भेजें या समर ऐक्टिविटी क्लासेज में ऐडमिशन दिलाएं। बच्चे से लेकर पैरंट्स के पास इस मौके को भुनाने का सुनहरा अवसर है। कई वर्कशॉप में तो उम्र का भी कोई बंधन नहीं है। ऐसे में अगर आप के मन में भी कोई दबी हुई क्रिएटिव ख्वाहिश है तो वह पूरी की जा सकती है। आप भी अपने बच्चे के साथ इन क्लासेज को जॉइन कर सकती हैं। आप बच्चे को स्वीमिंग, ड्राइंग, सॉफ्ट टॉय मेंकिंग, डांस, कराते या और भी जो कुछ आपका बच्चा सीखना चाहता है, उसे सीखने का मौका दे सकती हैं।

अच्छी पत्नी बनने के लिए आजमाएं ये आसान तरीके

महिलाओं को अपनी जिंदगी में कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। उसमें से सबसे खास भूमिका है पत्नी की। हर महिला यही चाहती है कि वह सबसे अच्छी पत्नी साबित हो। इसके लिए वह बहुत सारे तरीके अपनाती हैं लेकिन फिर भी कोई कमी रह जाती है। अच्छी पत्नी बनने के लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

1. इसके लिए हर महिला को अपने सास-ससुर का सम्मान करना होगा। उन्हें अपने माता-पिता जैसे ही समझें। ऐसा करने से पति के मन में आपके लिए प्यार और इज्जत पैदा होगी और एक अच्छी पत्नी साबित हो जाएंगी।

2. हर मर्द में कुछ अच्छी और बुरी आदते होती हैं। ऐसे ही अगर आपके पति में भी कुछ बुरी आदतें हैं तो उसे बदलने की कोशिश न करें बल्कि खुद को समझाएं और उनके स्वभाव और आदतों के अनुसार ही रियैक्ट करें।

3. अच्छी पत्नी बनने के लिए खुद के स्वभाव और गुस्से में बदलाव लाएं। कई बार आपकी किसी बात की वजह से पति को बुरा लग सकता है जिससे रिश्ता खराब हो जाता है।

4. पति की जरूरतों का खास ख्याल रखें। उनके सपनों को पूरा करने के लिए पति का साथ दें और कभी भी उनके सामने नाजायज डिमांड न रखें।

5. अपने पति की बुरी आदतों की बजाए उनकी अच्छी बातों पर ज्यादा ध्यान दें। ऐसे में आपका मन भी शांत रहेगा और बात-बात पर लड़ाई-झगड़ा भी नहीं होगा।

6. एक अच्छी पत्नी बनना नौकरी पाना जैसे है। इसमें भी कड़ी मेहनत करने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में अपना सारा ध्यान पति को संतुष्ट करने और खुश रखने पर लगाना चाहिए।

7. घर का माहौल हमेशा खुशनुमा बना कर रखें ताकि जब भी पति घर आए तो उसका बाहर जाने का मन न करे।

8. खुद को हमेशा फिट रखें और हमेशा पति के आने पर अच्छे से तैयार होकर बैठें। इससे पति हमेशा खुश रहेगा।

रिलेशन

प्रेम विवाह के लिए इस तरह करें घरवालों को राजी

कॉलेज या ऑफिस में साथ काम करते हुए लड़का-लड़की की आपस में दोस्ती हो जाती है और आगे चलकर यह रिश्ता प्यार में बदल जाता है। एक-साथ काफी समय गुजारने के बाद दोनों शादी करने का फैसला कर लेते हैं लेकिन आज भी कई पेरेंट्स ऐसे हैं जो बच्चों की अपनी पसंद से शादी करवाने में विश्वास रखते हैं। ऐसे पेरेंट्स को लव मैरिज के लिए मनाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसके लिए जब भी अपने प्यार के बारे में घरवालों से बात करें तो कुछ चीजों का ध्यान जरूर रखें।

1.परिवार में भाई-बहन सबसे ज्यादा करीब होते हैं। ऐसे में अपने रिश्ते के बारे में पहले उनसे बात करें ताकि वे पेरेंट्स को मनाने में आपकी मदद कर सकें।

2. अपने पार्टनर को एक अच्छी दोस्त की तरह पेरेंट्स से मिलवाएं ताकि वह घरवालों से अच्छी तरह घुलमिल सके।

3. पेरेंट्स के सामने जब भी मौका मिले अपने उस दोस्त के बारे में बात करते रहें जिससे उसके बारे में घरवालों की राय पता लग सके।

4. जब घरवालों को आपके पार्टनर के बारे में पता लग जाए तो धीरे-धीरे उसके घर परिवार के बारे में भी बताएं।

5. दोनों परिवारों को एक-दूसरे को अच्छी तरह समझने का समय दें और शादी की बात बड़े लोगों पर ही छोड़ दें।

केले कि छिलकों में भी छिपे हैं कई कमाल के गुण

केला एक ऐसा फल है जो हर मौसम में पाया जाता है। कई लोगों को यह फल काफी पसंद होता है। इसमें विटामिन,मिनरल्स और प्रोटीन होते हैं जो वजन बढ़ाने और घटाने दोनों के लिए फायदेमंद हैं। अक्सर केला खाने के बाद इसके छिलकों को फेंक दिया जाता है लेकिन इन छिलकों में कई कमाल के गुण छिपे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। यह त्वचा के साथ-साथ सेहत के लिए काफी मददगार साबित होते हैं। आइए जानिए इनके फायदों के बारें में

स्किन के लिए

1. गर्मियों में अक्सर चेहरे पर एक्ने की समस्या हो जाती है। ऐसे में स्किन पर केले के छिलके का इस्तेमाल करें।
2. ज्यादा टाइट कपड़े पहनने की वजह से बॉडी पर रैशेज हो जाते हैं। इनको दूर करने के लिए छिलकों को रैशेज पर रगड़ें जिससे काफी फायदा होगा।
3. दांतों का पीलपन दूर करने के लिए उन पर केले के छिलके का अंदर वाला भाग रगड़ें। इससे दांत साफ होंगे और उनमें चमक भी आएगी।

परफेक्ट मेकअप चाहती हैं तो चुनें सही फाउंडेशन

सजना-संवरना और खूबसूरत दिखना हर महिला की समझो आदत में शुमार है। कोई भी खूबसूरती के मामले में दूसरी महिला से पीछे नहीं रहना चाहती। यूं तो हर महिला खूबसूरती की मूरत है, लेकिन मात्र हल्का-सा श्रृंगार महिला की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। शादी, पार्टी हो या कहीं घूमने जाना हो, हल्का-फुल्का मेकअप करना आजकल सभी महिलाएं जानती हैं। लेकिन क्या हो अगर मेकअप की नींव ही गलत चुनी गई हो। जी हां, हम बात कर रहे हैं फाउंडेशन की। मेकअप करते वक्त सबसे पहले फाउंडेशन का ही इस्तेमाल होता है। फाउंडेशन ही आपके मेकअप को बेस देता है। लेकिन अगर बेस ही गलत हो तो आपकी स्किन बहुत जल्द निखार खो बैठेगी और चेहरा मुरझाया लगेगा। आजकल बाजार में फाउंडेशन लिक्विड, पाउडर और क्रीम फॉर्म में मौजूद हैं। परफेक्ट मेकअप के लिए स्किन टाइप और टोन के अनुसार फाउंडेशन का चयन करना जरूरी है। फाउंडेशन चुनते वक्त स्किन कॉम्प्लेक्शन और टोन का खासा ध्यान रखा जाता है। रिसर्च के अनुसार, सिर्फ 15% महिलाएं ही सही फाउंडेशन का चयन कर पाती हैं।

आइए बताते हैं कुछ ऐसे नायाब टिप्स जो सही फाउंडेशन का चयन करने में आपकी मदद करेंगे

1. स्किन टाइप पहचानें-

सही फाउंडेशन खोजने के लिए बहुत जरूरी है कि आप अपनी स्किन टाइप के बारे में जानें। मालूम हो, तीन तरह की स्किन टाइप होती है। ऑयली, ड्राई और नॉर्मल स्किन।

ऑयली स्किन: अगर आपकी स्किन ऑयली है तो हमेशा ऑयल फ्री फाउंडेशन ही चुनें। ऑयली स्किन का तैलीयपन नियंत्रित करने के लिए मैट फाउंडेशन खरीदना बेहतर होगा। ध्यान रखें, ऑयली स्किन होने का ये मतलब नहीं कि आप ज्यादा-ज्यादा फाउंडेशन लगाएं। जितना हो सके चेहरे पर कम मात्रा में फाउंडेशन लगाएं।

ड्राई स्किन: ड्राई स्किन के लिए मॉइस्चराइजिंग और हाइड्रेटिंग फाउंडेशन बेहतर है। यह फाउंडेशन आपके स्किन टोन का बैलेंस करेगा। ड्राई स्किन के लिए हमेशा लिक्विड फाउंडेशन ही चुनें।

नॉर्मल स्किन: सामान्य त्वचा के लिए क्रीम या पाउडर बेस्ड फाउंडेशन बेस्ट ऑप्शन है। क्रीम फाउंडेशन मिश्रित त्वचा वाले भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. सही शेड का चयन करें

स्किन टाइप के अनुसार फाउंडेशन चुनने के बाद बारी है स्किन टोन को देखते हुए सही शेड चुनने की। अक्सर हम स्किन टोन ना जानने के कारण गलत फाउंडेशन खरीद लेते हैं। जोकि चेहरे के लिए बहुत हल्का या डार्क साबित होता है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आपके चेहरे पर कौन-सा टोन सूट करेगा। हमेशा ऐसा शेड चुनें जो आपके स्किन टोन के सबसे करीब हो और ब्लेंड होने पर चेहरे पर ना दिखे। ऐसा शेड चुनें जो आपकी स्किन में अच्छी तरह मिल जाएं और ऐसा ना लगे कि चेहरे पर अलग-सी परत लगी है। फाउंडेशन का आपकी त्वचा में अच्छे से घुलना बेहद जरूरी है।

3. तो ऐसे लगाएं फाउंडेशन-

फाउंडेशन किसी भी मेकअप का बेस होता है। इसलिए फाउंडेशन को सही तरह से चेहरे पर लगाना चाहिए। फाउंडेशन को चेहरे पर सही तरीके से अप्लाई करना बेहद आवश्यक है। परफेक्ट मेकअप के लिए फाउंडेशन लगाने के लिए कुछ टिप्स:

बीबी क्रीम : इस क्रीम को चेहरे पर हाथ से रब करते हुए लगाएं। क्रीम की एक लेयर ही चेहरे पर लगाएं और उसे चेहरे में घुलने का थोड़ा वक्त दें।

लिक्विड फाउंडेशन: सही तरीके से चेहरे पर फाउंडेशन लगाने से आपका चेहरा खिल उठता है। लिक्विड फाउंडेशन को हमेशा ब्रश की मदद से चेहरे और गले पर लगाएं।

पाउडर: स्पॉन्ज में थोड़ा पाउडर लेकर चेहरे पर धीरे-धीरे लगाएं। ध्यान रखें कि पाउडर समान मात्रा में लें ताकि पाउडर चेहरे पर कहीं ज्यादा कहीं कम ना दिखे। आप चाहें तो पाउडर को ब्रश की मदद से भी लगा सकते हैं।

इस तरह रखेंगे चमड़े के जूते तो कभी नहीं होंगे खराब

चमड़े के जूते काफी महंगे होते हैं। ज्यादातर पुरूष लैदर शू पहनना ही पसंद करते हैं लेकिन इनको सही ढंग से रखने की बहुत जरूरत होती है। धूल-मिट्टी और गलत पॉलिश की वजह से असली लैदर के जूते सिंपल लगने लगते हैं और उनका रौब खत्म हो जाता है। आइए जानिए किन तरीकों से चमड़े के जूतों की देखभाल की जाए।

सही पॉलिश : जूतों को पॉलिश करने के लिए ज्यादातर पुरूष लिक्विड पॉलिश का इस्तेमाल करते हैं लेकिन चमड़े के जूतों पर यह पॉलिश करने से वह खराब हो जाते हैं इसलिए लैदर शूज पर हमेशा वैक्स बेस पॉलिश ही करें।

पानी और धूल : बारिश के दिनों में चमड़े के जूतों को पानी और धूल-मिट्टी से बचाने के लिए जूतों पर अलसी के तेल की कोटिंग करें। इससे लैदर वाटरप्रुफ हो जाता है और पानी जूतों के बीच में नहीं जाता। इसके अलावा जूते उतारने के बाद उन्हें हमेशा शू-रैक में ही रखें। जहां जूतों पर मिट्टी और सूरज की रोशनी न पड़े।

शेप बनाएं : जूतों की शेप बनाकर रखने से वह जल्दी खराब नहीं होते। इसके लिए जब भी जूतों को उतारें उन्हें बॉक्स में रखें और शू-ट्री का इस्तेमाल करें। शू-ट्री पैर के पंजों की तरह होने के कारण इससे जूतों की शेप बनी रहती है। इसके अलावा एक गत्ते के टुकड़े को मोड़ कर भी जूतों में रख सकते हैं।

खाली डिब्बा : जूतों के डिब्बे को कभी फैंकना नहीं चाहिए। हर रोज जूतों का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें डिब्बे में संभाल कर रख दें। इससे जूतों पर कोई दबाव नहीं पड़ेगा और वे काफी समय तक नए रहेंगे

जूते उतारना : जूतों को ज्यादा समय तक नए रखने के लिए उन्हें सही ढंग से उतारना भी बहुत जरूरी है। कई लोग बिना फीते खोले ऐसे ही जूतों को उतार देते हैं जिससे उनकी शेप खराब हो सकती है और उस पर निशान पड़ जाते हैं।

रेसिपी

मग नी दाल

सामग्री

1 कप पीली मूंग दाल, 2 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर
1 टी-स्पून नींबू का रस, 1/2 टी-स्पून शक्कर
नमक स्वादअनुसार,**परोसने के लिए,**पुरन पोली, कड़ी

विधि

दाल को धोकर, गुनगुने पानी में कम से कम 11/2 घंटे के लिए भिगो दें। छानकर एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग और भिगोई दाल डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और धनिया-ज़ीरा पाउडर डालकर, लगातार हिलाते हुए मध्यम आंच पर और 2 मिनट के लिए भून लें। आंच से हठाकर, दाल के मिश्रण को एक बर्तन में निकालकर 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस बर्तन को प्रैशर कुकर में रखकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। नींबू का रस, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। पुरन पोली और कड़ी के साथ गरमा गरम परोसें।

डबल बीन्स् करी

सामग्री

1 कप छिलके वाली वाल , रातभर भिगोयी हुई, 2 कप कटे हुए टमाटर, 1 टेबल-स्पून घी, नमक स्वादअनुसार, **पेस्ट के लिए,** 2 मध्यम प्याज़, 5 - 6 लहसुन की कलियां, 6 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टी-स्पून ज़ीरा, 2 टी-स्पून खस-खस, 4 - 5 कालीमिच, 4 -5 लौंग, 25 मिलीमीटर (1) दालचीनी का टुकड़ा

विधि

पेस्ट के लिए: खुली आंच पर प्याज को छिलके के साथ काला होने तक जला लें। हल्का ठंडा कर, प्याज़ के छिलके निकाल लें। शेष बची सामग्री के साथ प्याज़ मिलाकर, थोड़े पानी के साथ मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** भिगे हुए वाल से पानी छानकर, 11/2 कप पानी और नमकमिलाकर 2 सिटी के लिए प्रेशर कुक करें। ढक्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रखें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में टमाटर और 1/2 कप पानी मिलाकर मध्यम आंच पर 4 से 5 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। हल्का ठंडा करने के लिए रख दें। मिक्सर मे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें और छन्नी से छान लें। एक तरफ रख दें। कढ़ाई मे घी गरम करें, तैयार पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक भूनें। पके हुए वाल, तैयार टमाटर का पल्प और नमक डालकर, बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 4 से 5 मिनट तक पकाएं। गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**